www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम
अधिकतम तापमान 34.c
25.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 88.430g
चांदी 91.500 kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

2 शून्य हासिल करने का सुख, यह जीरो है पिछली बार से अलग

दो प्रेमियों ने मिलकर महिला की हत्या की 04

वर्ष :08 अंक :236 मुंबई ,सोमवार , 17 फरवरी , 2025 पृष्ठ : 06 मूल्य : 2: 00 रुपए

दिल्ली भगदड़ पर गुस्साया विपक्ष, जमकर की मोदी सरकार और रेलवे की आलोचना

कांग्रेस और टीएमसी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का इस्तीफा मांगा

आलोचना

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ पर सरकार और रेलवे की आलोचना की है। उन्होंने लिखा, 'नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से कई लोगों की मृत्यु और कईयों के घायल होने की खबर अत्यंत दुखद और व्यथित करने वाली है। यह घटना एक बार फिर रेलवे की नाकामी और सरकार की असंवेदनशीलता को उजागर करती है।'

एजेंसी

नयी दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात भगदड़ मच गई, जिसमें 18 लोगों की मौत हो गई और 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सूत्रों का कहना है कि प्रयागराज जाने वाली ट्रेन के प्लैटफॉर्म में बदलाव की गलत घोषणा से भ्रम की स्थिति पैदा हुई, जिसके कारण भगदड़ मची। अब इस घटना को लेकर विपक्ष ने मोदी सरकार पर हमला बोला है।

आप नेता राघव चड्ढा ने कल नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में कम से कम 18 लोगों की मौत के बाद भीड़ नियंत्रण उपायों की कमी को लेकर रेलवे अधिकारियों की आलोचना की है। उन्होंने कहा, 'नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई दुखद भगदड़ ने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है। महिलाओं और बच्चों सहित कई निर्दोष लोगों की जान चली गई है। यह आपदा घोर कुप्रबंधन और भीड़ नियंत्रण उपायों की कमी का एक ज्वलंत उदाहरण है।

11 फरवरी को, मैंने संसद में यह मुद्दा उठाया था, रेलवे स्टेशनों पर बेहतर प्रबंधन प्रोटोकॉल की तत्काल आवश्यकता के बारे में चेतावनी दी थी, लेकिन सरकार ने इसे नजरअंदाज कर दिया। पीड़ितों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।

राहुल गांधी ने की सरकार और रेलवे की आलोचना

विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत पर सरकार और रेलवे की आलोचना की है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से कई लोगों की मृत्यु और कईयों के घायल होने की खबर अत्यंत दुखद और व्यथित करने वाली है। शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं। यह घटना एक बार फिर रेलवे की नाकामी और सरकार की असंवेदनशीलता को उजागर करती है। प्रयागराज जा रहे श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए स्टेशन पर बेहतर इंतजाम किए जाने चाहिए थे।

अरविंद केजरीवाल ने जताया शोक

अरविंद केजरीवाल ने भगदड़ में हुई मौतों पर शोक जताया। उन्होंने कहा, 'नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे में महाकुंभ में जा रहे श्रद्धालुओं की दुखद मौत बेहद दुखद और दर्दनाक है। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं।'

वापस जा रहे थे, बस 6 सीढ़ियां बची थीं....

भगदड़ में अपनी सात साल की बेटी को खोने वाले ओपिल सिंह ने सुनाई आपबीती

ओपिल सिंह ने बताया, 'जैसा ऊपर चढ़ने लगे, 6 जीना बचे थे, बीच में मेरी बेटी फंस गई। ऊपर से जैसे 5,000-6,000 हजार आदमी नीचे आने लगे ना तो लोग एक के ऊपर एक गिरते चले गए, लोगों को संभालने का मौका नहीं मिला। मेरी लड़की के किला घुस गया, खून अंदर जम गया, पूरा काला पड़ गया।'

एजेंसी

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक सात साल की बच्ची भी शामिल है। बच्ची के पिता ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि भीड़ की वजह से उनकी बेटी के सिर में कील घुस गई और उसकी मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जाने वाली ट्रेन पकड़ने के लिए इकट्ठी हुई भीड़ रेलवे की घोषणा के कारण भ्रमित हो गई, जिसके कारण भगदड़ मच गई और 18 लोगों की जान चली गई। ओपिल सिंह अपने परिवार के साथ महाकुंभ जा रहे थे और उनके पास ट्रेन का कन्फर्म टिकट भी था। उन्होंने बताया, 'हम 14 नंबर प्लेटफॉर्म से नीचे उतरे, लेकिन भीड़ देखकर वापस आने लगे, मैंने कहा भीड़ ज्यादा है, चलो घर चलते हैं, बच्चों को लेके नहीं जाते, छोटे छोटे बच्चे हैं क्या करेंगे, सोने को भी नहीं है।' उन्होंने आगे बताया, 'जैसा ऊपर चढ़ने लगे, 6 जीना बचे थे, बीच में मेरी बेटी फंस गई। ऊपर से जैसे 5,000-6,000 हजार आदमी नीचे आने लगे ना तो लोग एक के ऊपर एक गिरते चले गए, लोगों को संभालने का मौका नहीं मिला। मेरी लड़की के किला घुस गया, खून अंदर जम गया, पूरा काला पड़ गया।'

मरने वालों में 10 महिलाएं-4 बच्चे 7 साल की बच्ची के सिर में कील घुसी

कैसे हुई यह त्रासदी?

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'प्रयागराज स्पेशल के प्लेटफॉर्म 16 पर आने की घोषणा से भ्रम की स्थिति पैदा हो गई, क्योंकि प्रयागराज एक्सप्रेस पहले से ही प्लेटफॉर्म 14 पर थी। जो लोग प्लेटफॉर्म 14 पर अपनी ट्रेन तक नहीं पहुंच पाए, उन्हें लगा कि उनकी ट्रेन प्लेटफॉर्म 16 पर आ रही है, जिसके कारण भगदड़ मच गई।' उन्होंने कहा, 'इसके अलावा, प्रयागराज जाने वाली चार ट्रेन थीं, जिनमें से तीन देरी से चल रही थीं, जिससे अप्रत्याशित रूप से भीड़ बढ़ गई।'

पीएम मोदी ने भारत-मंडपम में 'भारत-टेक्स 2025' में लिया भाग

बोले- टेक्सटाइल एक्सपोर्ट 3 लाख करोड़ पहुंचा, 2030 तक 9 लाख करोड़ पहुंचाने का टारगेट

आज हम दुनिया के छठे सबसे बड़े टेक्सटाइल और अपैरल्स एक्सपोर्टर हैं। हमारा टेक्सटाइल निर्यात 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। अब हमारा लक्ष्य है कि 2030 तक हम इसे 9 लाख करोड़ रुपए तक लेकर जाएंगे। इस सफलता के पीछे पूरे एक दशक की मेहनत और एक दशक की कंसिस्टेंट पॉलिसी है। पिछले 1 दशक में हमारे टेक्सटाइल सेक्टर में विदेशी निवेश दोगुना हुआ है।

एजेंसी

नई दिल्ली , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (14 फरवरी) रविवार को 'भारत टेक्स 2025' में भाग लेने भारत मंडपम पहुंचे। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने बताया कि आज हम दुनिया के छठे सबसे बड़े टेक्सटाइल और अपैरल्स एक्सपोर्टर हैं। हमारा टेक्सटाइल एक्सपोर्ट 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। इसे 2030 तक 9 लाख करोड़ पहुंचाने का टारगेट है। पीएम मोदी ने कहा, 'आज भारत मंडपम भारत टेक्स के दूसरे आयोजन का साक्षी बन रहा है। इसमें हमारी परंपराओं के साथ ही विकसित भारत की संभावनाओं के दर्शन भी हो रहे हैं।

ये देश के लिए संतोष की बात है कि हमने जो बीज रोपा है आज वो वटवृक्ष बनने की राह पर तेज गति से बढ़ रहा है। भारत टेक्स अब एक मेगा ग्लोबल टेक्सटाइल इवेंट बन रहा है।

इस आयोजन से टेक्सटाइल सेक्टर को जबरदस्त बढ़ावा मिल रहा

इस आयोजन से टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश, निर्यात और समग्र विकास को जबरदस्त बढ़ावा मिल रहा है। भारत टेक्स के इस आयोजन में हमारे परिधानों के जरिए भारत की सांस्कृतिक विविधता के भी दर्शन होते हैं।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सीढ़ी पर एक यात्री के फिसलने से हुई दुर्घटना: रेलवे

जांच कमेटी बनी, सीसीटीवी फुटेज सील

एजेंसी

नयी दिल्ली : राजधानी के नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कल रात दुर्घटना का कारण फुटओवर ब्रिज की प्लेटफॉर्म नंबर 14 एवं 15 को उतरने वाली सीढ़ी पर एक यात्री का असावधानी वश फिसलना और उसके पीछे कई यात्रियों का चपेट में आना था।उत्तर रेलवे के मुख्य प्रवक्ता ने आज सुबह यहां यह जानकारी दी और यह भी कहा कि रात भगदड़ की घटना के प्रभावित लोगों के लिए रेलवे द्वारा मुआवजा राशि वितरित की जा रही है।प्रवक्ता के अनुसार मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया जा रहा है जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को ढाई-ढाई लाख रुपए और मामूली रूप से घायल लोगों को एक-एक लाख का मुआवजा दिया जा रहा है। दुर्घटना की वजह के बारे में पूछे जाने पर प्रवक्ता ने कहा कि जिस समय एक दुखद घटना घटित हुई उस समय नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 14 पर पटना की ओर जाने वाली मगध एक्सप्रेस और प्लेटफॉर्म नंबर 15 पर जम्मू की तरफ जाने वाली उत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन खड़ी थी। इस दौरान फुटओवर ब्रिज से 14 नंबर और 15 नंबर प्लेटफॉर्म की तरफ आने वाली सीढ़ियों पर एक यात्री के फिसल कर गिरने से उनके पीछे के कई यात्री इसकी चपेट में आ गए और यह दुखद घटना घटित हुई। इस हादसे की उच्च स्तरीय कमेटी द्वारा जांच की जा रही है। हालांकि रेलवे के प्रवक्ता ने हताहतों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। इस बारे में आग्रह पूर्वक पूछने पर कहा कि पूरी घटना की आधिकारिक एवं विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल और दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। रात में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक के साथ स्टेशन पर घटनास्थल का दौरा किया। बाद में रेलवे की ओर से बताया गया कि अचानक यात्रियों की संख्या बढ़ने को देखते हुए रेलवे ने प्रयागराज महाकुंभ के लिए चार विशेष गाड़ी चलाने की घोषणा की गई है। इससे भीड़ में कमी आई है और स्थिति नियंत्रण में आ गई है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में यमुना की सफाई शुरू, कचरा हटाने के लिए नदी में उतारी गई बड़ी मशीनें

दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए वादे के बाद आज से यमुना नदी की सफाई शुरू हो गई है। रविवार को ट्रैश स्कीमर, वीड हार्वेस्टर और ड्रेज यूटिलिटी क्राफ्ट जैसी मशीनों से यमुना नदी की सफाई शुरू की गई। बता दें, पीएम मोदी ने कहा था कि दिल्ली चुनाव जीतने के बाद बीजेपी सबसे पहले यमुना नदी की सफाई करेगी। दिल्ली के उपराज्यपाल कार्यालय ने यमुना नदी की सफाई की जानकारी देते हुए कहा, 'मुना नदी की सफाई का काम पहले ही शुरू हो चुका है। कचरा निकालने वाली मशीनें, खरपतवार निकालने वाली मशीनें और ड्रेज यूटिलिटी क्राफ्ट आज से नदी में सफाई अभियान शुरू कर चुके हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कल मुख्य सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव (आईएंडएफसी) से मुलाकात की और उन्हें तुरंत काम शुरू करने को कहा था।' दिल्ली के उपराज्यपाल कार्यालय ने आगे बताया कि उन्होंने इस मुद्दे से निपटने के लिए चार-आयामी रणनीति बनाई गई है। उन्होंने बताया कि पहली रणनीति में, यमुना नदी की धारा में मौजूद कचरा, कूड़ा और गाद को हटाया जाएगा।

तमिलनाडु में वैध दस्तावेजों के अभाव में 15 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया

तमिलनाडु के इरोड जिले में दो महिलाओं समेत 15 बांग्लादेशी नागरिकों को बिना उचित दस्तावेजों के यहां रहने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पणिक्कम्पालयम, मेट्टुकादाई और पेरुंदुरई में छापेमारी की गई, जहां ऐसी रिपोर्ट मिली थी कि विदेशी नागरिक बिना वैध दस्तावेजों के निजी फर्मों में रह रहे हैं और काम कर रहे हैं। पुलिस को शुक्रवार रात को अपने छापेमारी अभियान के दौरान पता चला कि 15 लोग विभिन्न निजी कंपनियों में और राजमिस्त्री के रूप में काम करते थे। उन्होंने बताया कि जब उनसे पासपोर्ट और वीजा सहित वैध यात्रा दस्तावेज दिखाने के लिए कहा गया तो कोई भी ऐसा नहीं कर सका। फिलहाल हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है, हालांकि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस ने बताया कि औद्योगिक केंद्र पेरुंदुरई में बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशी कामगार रहते हैं।

अपना ख्याल रखें, सीखने के नए तरीके तलाशें

विक्रांत मैसी और भूमि पेडनेकर ने छात्रों को दिया संदेश

विक्रांत मैसी ने कहा, 'हम सभी अवचेतन मन से कल्पना करना जानते हैं। आप दिन में 10 मिनट निकालकर अपनी भावनाओं और लक्ष्यों को एक डायरी में लिख सकते हैं।' भूमि पेडनेकर ने अपने बचपन का एक कठिन दौर साझा करते हुए कहा कि उन्होंने छोटी उम्र में ही अपनी ताकत को पहचानना सीख लिया था।

एजेंसी

नयी दिल्ली। केवल परीक्षा पास करने के लिए नहीं बल्कि जीवन में सफल होने के लिए पढ़ाई करें और चुनौतीपूर्ण समय में अपनी ताकत को पहचानें। अभिनेता विक्रांत मैसी और भूमि पेडनेकर ने परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के दौरान छात्रों को यह संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वार्षिक कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा के विशेष सत्र में शामिल होकर दोनों अभिनेताओं ने अपनी स्कूल की यादें साझा कीं और परीक्षा के तनाव, माता-पिता की अपेक्षाओं और आत्मनिर्भरता के महत्व पर चर्चा की।

विक्रांत मैसी ने कहा, 'हम सभी अवचेतन मन से कल्पना करना जानते हैं। आप दिन में 10 मिनट निकालकर अपनी भावनाओं और लक्ष्यों को एक डायरी में लिख सकते हैं।

प्रलय की प्रतीक्षा न करें, धरती को अभी से हराभरा बनाएं: सीएम योगी

हमारी पवित्र नदियां धरती की धमनियां, धमनियां सूख गई या प्रदूषित हुईं तो भयावह होगी स्थिति: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुम्भ की आस्था और जलवायु परिवर्तन से संबंधित जलवायु सम्मेलन का किया शुभारंभ .सीएम बोले- जीव और जंतुओं का जीवन चक्र मनुष्य के साथ जुड़ा हुआ, उनका अस्तित्व रहेगा तभी मनुष्य का अस्तित्व रहेगा .कुम्भ का यही संदेश, आस्था के साथ जलवायु परिवर्तन के कारकों पर विचार करते हुए निवारण का करें उपाय: सीएम योगी .

एजेंसी

महाकुम्भ नगर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रयागराज महाकुम्भ में कुम्भ की आस्था और जलवायु परिवर्तन विषयक जलवायु सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मनुष्य ही केवल इस सृष्टि का एकमात्र जीव नहीं है। जीव जंतुओं का जीवन चक्र मनुष्य के साथ और मनुष्य का जीवन चक्र उनके साथ जुड़ा हुआ है। उनका अस्तित्व रहेगा तो हमारा भी अस्तित्व रहेगा और यदि उन पर संकट आएगा तो हमारे अस्तित्व पर भी संकट आएगा।

उन्होंने कहा कि हम प्रलय की प्रतीक्षा ना करें, बल्कि अभी से धरती को हरा भरा बनाएं। कुम्भ का भी यही संदेश है। हम सबको आस्था के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के कारकों पर भी विचार करते हुए उसके निवारण का उपाय करना होगा। उन्होंने कहा कि जीव सृष्टि और जंतु सृष्टि के संरक्षण के साथ ही मानव सृष्टि की सुरक्षा और संरक्षण हो पाएगा।

अमेरिका से अमृतसर पहुंचते ही दो युवकों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, हत्या के मामले में थे फरार

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नानक सिंह ने अमृतसर हवाई अड्डे से उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कहा कि आरोपी संदीप सिंह उर्फ सनी और प्रदीप सिंह 2023 में दर्ज एक हत्या के मामले में वांछित थे।

एजेंसी

नयी दिल्ली। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों का दूसरा जत्था आज अमृतसर पहुंचा। अमेरिका द्वारा निकाले गए इस जत्थे में 116 भारतीय शामिल थे, जिनमें हत्या के मामले में फरार चल रहे दो युवक भी शामिल थे। अमृतसर पहुंचते ही पुलिस ने पटियाला जिले के राजपुरा से इन दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नानक सिंह ने अमृतसर हवाई अड्डे से उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कहा कि आरोपी संदीप सिंह उर्फ सनी और प्रदीप सिंह 2023 में दर्ज एक हत्या के मामले में वांछित थे। राजपुरा में जून 2023 में संदीप और चार अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान संदीप के एक अन्य साथी प्रदीप का नाम एफआईआर में जोड़ा गया।

मांग ओवैसी ने न्यायिक निगरानी में एसआईटी के गठन की मांग की

नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़

एजेंसी

नयी दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ की घटना पर शोक व्यक्त करते हुए इस त्रासदी की न्यायिक निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) से स्वतंत्र जांच कराए जाने की मांग की। नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात मची भगदड़ में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 12 से अधिक लोग घायल हो गए। प्लेटफॉर्म संख्या 14 और 15 पर प्रयागराज (जहां महाकुंभ का आयोजन किया गया है) जाने वाली ट्रेन में सवार होने के लिए यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी जिसके बाद वहां भगदड़ मच गई। हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ओवैसी ने भारतीय रेलवे की प्रणालीगत विफलताओं की स्वतंत्र जांच कराए जाने की भी मांग की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मारे गए लोगों के प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। यह ऐसी त्रासदी है जिसे रोका जा सकता था। ओवैसी ने कहा, जो कुछ हुआ, भाजपा सरकार उसे छिपाने की कोशिश कर रही है। इसके बजाय यह किया जाना चाहिए: 1. त्रासदी की जांच के लिए एक स्वतंत्र, न्यायिक निगरानी वाली एसआईटी गठित की जानी चाहिए 2. भारतीय रेलवे की प्रणालीगत विफलताओं की स्वतंत्र जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे लाखों भारतीयों की जीवनरेखा है और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के कुप्रबंधन की जद में नहीं आनी चाहिए। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात मची भगदड़ में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 12 से अधिक लोग घायल हो गए। प्लेटफॉर्म संख्या 14 और 15 पर प्रयागराज (जहां महाकुंभ का आयोजन किया गया है) जाने वाली ट्रेन में सवार होने के लिए यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी जिसके बाद वहां भगदड़ मच गई। हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ओवैसी ने भारतीय रेलवे की प्रणालीगत विफलताओं की स्वतंत्र जांच कराए जाने की भी मांग की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मारे गए लोगों के प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। यह ऐसी त्रासदी है जिसे रोका जा सकता था।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मारे गए लोगों के प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। यह ऐसी त्रासदी है जिसे रोका जा सकता था।

एकता में ही विविधता समाहित है, बंगाल में आरएसएस के कार्यक्रम में बोले मोहन भागवत

बर्धमान के साई ग्राउंड में आरएसएस के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि हिंदू समाज में एकता की जरूरत है और अच्छे समय में भी चुनौतियां बनी रहेंगी। उन्होंने कहा, 'हमें हिंदू समाज को एकजुट और संगठित करने की जरूरत है।'

एजेंसी

पश्चिम बंगाल । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया की विविधता को अपनाने के महत्व पर जोर देते हुए रविवार को कहा कि हिंदू समाज का मानना है कि एकता में ही विविधता समाहित है। बर्धमान के साई ग्राउंड में आरएसएस के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि हिंदू समाज में एकता की जरूरत है और अच्छे समय में भी चुनौतियां बनी रहेंगी। उन्होंने कहा, 'हमें हिंदू समाज को एकजुट और संगठित करने की जरूरत है। समस्याओं की प्रकृति क्या है इसके बजाए यह महत्व रखता है कि हम उनका सामना करने के लिए कितने तैयार हैं।' पश्चिम बंगाल पुलिस ने पहले रैली आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद कलकत्ता उच्च न्यायालय से मंजूरी मिलने के बाद रैली आयोजित की जा रही है। भागवत ने कहा कि देश का निर्माण अंग्रेजों ने नहीं किया था। उन्होंने कहा कि भारत एकजुट नहीं है, यह भावना अंग्रेजों ने लोगों के मन में डाली थी।

सम्पादकीय

खोखली चिंता, सुनवाई में विलंब के समाधान के क्या हुए उपाय?

न्याय में देरी पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा चिंता व्यक्त की गई है। सर्वोच्च अदालत की यह टिप्पणी उचित तो है कि देरी से कार्य बाधित होता है। अतीत में भी सुप्रीम कोर्ट के अनेक न्यायाधीश यह कह चुके हैं कि गवाहों के बयान दर्ज कराने में देरी ट्रायल शुरू होने में विलंब अथवा तारीख पर तारीख के सिलसिले के चलते लोगों को समय पर न्याय नहीं मिल पाता। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी सर्वथा उचित तो है कि सुनवाई में विलंब से न्याय में देरी होने के साथ ही अभियुक्त का मौलिक अधिकार भी बाधित होता है, लेकिन उससे उत्साहित इसलिए नहीं हुआ जा सकता, क्योंकि ऐसी टिप्पणियां न जाने कितनी बार की जा चुकी हैं और नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। इसका कोई औचित्य नहीं कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से न्याय में देरी की समस्या को तो स्वीकार किया जाए, लेकिन उसके समाधान के लिए कुछ न किया जाए। दुर्भाग्य से एक लंबे समय से यही देखने को मिल रहा है। अतीत में भी सुप्रीम कोर्ट के अनेक न्यायाधीश यह कह चुके हैं कि गवाहों के बयान दर्ज कराने में देरी, ट्रायल शुरू होने में विलंब अथवा तारीख पर तारीख के सिलसिले के चलते लोगों को समय पर न्याय नहीं मिल पाता, लेकिन यह कहना कठिन है कि उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए क्या उपाय किए? इनमें से कई सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी बने, लेकिन वे भी न्याय में देरी के कारणों का निवारण नहीं कर सके। मुकदमों की सुनवाई में देरी से लंबित मामलों की संख्या बढ़ती चली जा रही है और बड़ी संख्या में लोगों को बिना सुनवाई के वर्षों तक जेल में रहना पड़ता है। कई बार तो उन्हें उससे भी ज्यादा समय जेल में बिताना पड़ता है, जितना उन्हें सजा मिलने पर रहना पड़ता। तथ्य यह भी है कि मामलों की सुनवाई में देरी से वे अभियुक्त भी जमानत पर बाहर आ जाते हैं, जिन्हें जेल में ही रहना चाहिए। क्या यह किसी से छिपा है कि आपराधिक मामलों का सामना कर रहे पूर्व एवं मौजूदा विधायकों और सांसदों के मामलों की सुनवाई में इसके बाद भी देरी हो रही है कि उनके मुकदमों के निस्तारण के लिए विशेष अदालतों का गठन किया गया है। जिस तरह सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश समय-समय पर सुनवाई में देरी को लेकर चिंता जताते रहते हैं, उसी तरह सरकार में शीर्ष पदों पर बैठे लोग भी। आखिर आम जनता इन चिंताओं का क्या करे, क्योंकि उसे तो कोई राहत मिलती नहीं दिखती। आखिर इसका क्या मतलब कि जिन्हें सुनवाई में देरी के कारणों को दूर करना है, वे ऐसा करने के स्थान पर या तो उपदेश देते हैं या फिर चिंता जताकर कर्तव्य की इतिश्री करते हैं। बेहतर हो कि न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के लोग यह समझें कि समय पर मुकदमों का निस्तारण न होना वह गंभीर समस्या है।

आज का विचार

राशिफल

मेष : आज भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृष : वृष आज कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है। विवाद न करें।

मिथुन : आज ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क : आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे।

सिंह : कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा।

कन्या : आज व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे।

तुला : आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं। घर-बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

वृश्चिक : आज रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

धनु : आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है।

मकर : आज शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

कुंभ : आज आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी।

मीन : आज विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेचैनी रहेगी। धनार्जन सुगम होगा।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

शून्य हासिल करने का सुख, यह जीरो है पिछली बार से अलग

ऐसे समय में जब सब कुछ तेजी से गिर रहा हो तब एक खास किस्म के शून्य ने विशेष प्रतिष्ठा अर्जित कर ली है। हाल ही में दिल्ली में विधानसभा चुनाव का समापन हुआ। जो जीते हैं वे इस पर हैरान हैं कि ऐसे कैसे जीत गए। जो हारे हैं उनका आकलन है कि लोग तो बेईमानी से हारते हैं वे विशुद्ध ईमानदारी से हारे हैं।

पिछले दिनों देश की राजधानी में शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न हुए। चुनाव-परिणाम एक्जिट-पोल के मुताबिक आए और शांतिपूर्वक स्वीकारे भी गए। परिणामों के बाद अब सर्वत्र समीक्षा, मंथन और चिंतन का दौर शुरू है। जो जीते हैं, वे इस पर हैरान हैं कि ऐसे कैसे जीत गए। जो हारे हैं, उनका आकलन है कि लोग तो बेईमानी से हारते हैं, वे विशुद्ध ईमानदारी से हारे हैं। और तीसरे जो न जीत में थे, न हार में, वे सबसे ज्यादा खुश हैं। वे इसी में मगन हैं कि इस बार का शून्य पिछली बार से अलग है। उनकी उपस्थिति भर से मजबूत सरकार भरभराकर गिर गई। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इन चचाओं के बीच हम तीनों दलों से अंदर की खबर खींच कर लाए हैं। पहले चुनाव जीतने वालों की खबर लेते हैं। वे कई बरस बाद जीते हैं। जाहिर है सबसे ज्यादा गहमागहमी यहीं थी। सभी जीते हुए लोग एक गोल बनाकर बैठे हुए थे। एक वरिष्ठ नेता सबको संबोधित कर रहे थे, भाइयों, यह जीत हमारी और केवल हमारी है। कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं कि हम लोग यूं ही जीत गए हैं। यह सरासर गलत है। हमें पता है कि हम कैसे जीते हैं। हमारे अंदर जीत की भूख हरदम रहती है। हमारी उपस्थिति हार-जीत से ज्यादा सरकार बनाने के लिए होती है। हमें बिन-दूल्हे की बारात कहा जा रहा था, फिर भी हम जीते। यह अलग बात है कि हम अभी भी उस दूल्हे को तलाश रहे हैं। फिलहाल आप सभी लोग गारंटी के मजे लें। इतना कहकर नेताजी ने अपनी वाणी को विराम दिया और सभी लोग दावतखाने की ओर लपके। वहां से निकलकर दूसरे दल के पंडाल में पहुंचा तो माहौल बहुत गर्म था। पंद्रह करोड़ विधायक बेहद उत्तेजित थे। आलाकमान से अपने-अपने नुकसान की भरपाई की मांग कर रहे थे। उनका सबसे बड़ा दुख था कि हारने के बाद वे बिकने लायक भी न रहे। उनके नेता ने सबको शांत करते हुए कहा, असल नुकसान तो हमारा हुआ है जी। हम आंदोलन से निकले लोग हैं। सरकार में आने से पहले सड़क पर ही थे। हमें कोई फर्क नहीं पड़ता जी। जनता पर पूरा भरोसा है हमें। उसकी याददाश्त कमजोर है। वह हमें जरूर फिर से याद करेगी। हम समंदर तो नहीं, फिर भी लौट के आएंगे। यमुना मइया की कसम। अब आम आदमी के मुंह में मुफ्त का खून लग चुका है। कुछ आदतें जनता की बदली हैं और कुछ हमारी भी। हम अपनी कट्टर ईमानदारी को रिचार्ज करेंगे। हम हारे भले हैं, पराजित नहीं हुए हैं। असल में हम भ्रष्टाचार साफ करने आए थे और हमें खुशी है कि पूरी ईमानदारी से हम स्वयं साफ हो गए! उनके इस चुनावी-चिंतन से तालियों का शोर इतना बढ़ गया कि आगे कुछ सुनाई नहीं दिया। मेरे कदम अब तीसरे दल के शामियाने की ओर बढ़ गए। असली जश्न का माहौल वहीं दिखा। लोग एक-दूसरे को बधाई दे रहे थे। मैंने पहली बार किसी को हार की बधाई देते सुना। उनके नेता चहकते हुए कह रहे थे, दोस्तों, बड़े संघर्ष के बाद हमने लगातार तीसरी बार शून्य हासिल किया है। ऐसे समय में जब सब कुछ तेजी से गिर रहा हो, तब शून्य ने विशेष प्रतिष्ठा अर्जित की है। राजनीति हो, बाजार हो या रुपया हो, सभी शून्य से होड़ लगाए हुए हैं। जहां शून्य पाकर हम मालामाल हुए हैं, वहीं सरकार चला रहे लोग अचानक संज्ञा-शून्य हो गए हैं। उन्हें एक झटके से सत्ता से बाहर होना पड़ा है। हमारे शून्य के प्रहार से शीशमहल तक उजड़ गया है। जो नई सरकार बनाने जा रहे हैं, शून्य की महत्ता को वे भी नकार नहीं सकते। यह हमारा शून्य है, जो किसी और के शून्य से बिल्कुल अलग है। शून्य हमें सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। हम भविष्य में और बेहतर शून्य की कामना करते हैं। ऐसा कहकर वे शून्य की ओर ताकने लगे। शून्य की यह दार्शनिक व्याख्या सुनकर मैं स्वयं संज्ञा-शून्य हो गया। थोड़ी देर बाद जब चेतना वापस लौटी तो समझ में आया कि ऐसी निर्मम समीक्षाएं ही हमारे लोकतंत्र को स्वस्थ बना रही हैं।

विकृत मानसिकता का शिकार बनती मासूम बच्चियां

(मनोज कुमार अग्रवाल-विनायक फीचर्स)

हमारे देश में कहा जाता है कि 'यत्र नार्यस्तु पूज्यंते, रमन्ते तत्र देवताः' अर्थात जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं, परंतु आज विकृत मानसिकता के शिकार, वासना के भूखे, वहशी, दरिंदों द्वारा मासूम दूध पीती बच्चियों और किशोरियों तक को अपनी हवस की शिकार बनाकर उनका जीवन नष्ट किया जा रहा है। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एन सी आर बी) के आंकड़े बताते हैं कि देश में हर दिन 86 रेप के मामले सामने आते हैं जिनमें करीब आधे छोटी अवयस्क बच्चियों के साथ घटित होते हैं।

केंद्र सरकार की एजेंसी नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार भारत में साल भर में महिलाओं के खिलाफ अपराध के चार लाख से ज्यादा अपराध दर्ज किए जाते हैं। इन अपराधों में सिर्फ रेप ही नहीं, बल्कि छेड़छाड़, दहेज हत्या, किडनैपिंग, ट्रैफिकिंग, एसिड अटैक जैसे अपराध भी शामिल हैं।

हमारे देश में रोजाना 86 लड़कियों और महिलाओं के साथ दुष्कर्म की वारदातों को अंजाम दिया जाता है। आइए आप को पिछले एक पखवाड़े में अखबारों में प्रकाशित छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म की वारदातों से अवगत कराने का प्रयास करते हैं ये ऐसी घिनौनी वारदात हैं जिन्हें जान कर इंसान का सिर झुका जाता है। ऐसी विकृत मानसिकता वाले अपराधियों के बीच रहते हुए भी हम विश्वगुरु बनने का स्वप्न संजो रहे हैं। इसी साल के आरंभ में 31 जनवरी को बलिया (उत्तर प्रदेश) में 3 नाबालिगों सहित 5 लोगों को एक 13 वर्षीय लड़की से बलात्कार करने और किसी को बताने पर गंभीर परिणामों की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

31 जनवरी को ही मांडया (कर्नाटक) के एक सरकारी स्कूल के शौचालय में 8 वर्ष की बच्ची के साथ 2 लोगों द्वारा बलात्कार करके उसे गंभीर रूप से घायल करने के आरोप में पुलिस ने मामला दर्ज किया।

4 फरवरी को जयपुर की एक विशेष अदालत ने 11 वर्षीय नाबालिग लड़की से बलात्कार करने के आरोप में रूप सिंह बैरवा नामक व्यक्ति को आजीवन कैद और 50,000 रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई।

6 फरवरी को कोलकाता में एक 14 वर्षीय बच्ची को घर छोड़ने के बहाने ले जाकर उससे बलात्कार करके हत्या कर देने के आरोप में टोटो नामक एक 22 वर्षीय ई-रिक्शा ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया।

6 फरवरी को ही जयपुर (राजस्थान) में एक 14 महीने की मासूम बच्ची से नशे की हालत में बलात्कार करने और अपनी घिनौनी हरकत का वीडियो बनाने के आरोप में उसके फूफा को गिरफ्तार किया गया।

6 फरवरी को ही अम्बाला (हरियाणा) में एडीशनल सैशन जज 'मनपाल रावत' की अदालत ने एक 6 वर्षीय बच्ची को चाकलेट दिलाने के बहाने अपने साथ ले जाकर उससे बलात्कार करने के दोषी युवक को 20 वर्ष कैद के साथ 10,000 रुपए जुमार्ना की सजा दी।

6 फरवरी को ही नूंह (हरियाणा) में पुलिस ने एक 14 वर्षीय किशोरी से बलात्कार करने के आरोप में 2 युवकों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की।

6 फरवरी को ही कृष्णागिरि जिले (तमिलनाडु) के सरकारी सैकेंडरी स्कूल में 13 वर्षीय स्कूली छात्रा का स्कूल परिसर के अंदर 2 दिनों तक यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 3 शिक्षकों को गिरफ्तार किया गया।

7 फरवरी को इंदौर (मध्य प्रदेश) की विशेष अदालत ने एक 7 वर्षीय बच्ची से बलात्कार करने के दोषी मंगल पवार को फांसी की सजा सुनाई।

8 फरवरी को नासिक (महाराष्ट्र) के एक प्राइवेट स्कूल में एक 13 वर्षीय छात्रा से बलात्कार करने के आरोप में स्कूल के प्रिंसीपल तुकाराम गोविंद सावले और एक अध्यापक गोरखनाथ मारुति जोशी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार अध्यापक छठी कक्षा की छात्रा को प्रिंसीपल के घर ले गया जहां दोनों ने उसके साथ बलात्कार किया।

8 फरवरी को ही छतरपुर (मध्य प्रदेश) में पुलिस ने एक 5 वर्षीय बच्ची से बलात्कार करने के आरोप में विनोद अहिरवार नामक युवक को गिरफ्तार किया।

8 फरवरी को ही राजगढ़ (मध्य प्रदेश) में बलात्कार का शिकार हुई मूक-बधिर नाबालिग लड़की ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 9 फरवरी को दिल्ली में एक 62 वर्षीय व्यक्ति को एक 16 वर्षीय नाबालिग से बलात्कार करके उसे गर्भवती करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

11 फरवरी को कोरापुट (ओडिशा) में 'ओपेरा शो' देखने गई एक 14 वर्षीय किशोरी के साथ 4 युवकों ने बलात्कार कर डाला।। 11 फरवरी को ही भोपाल में राहुल साहू नामक ड्राइवर को एक 15 वर्षीय लड़की से बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। 11 फरवरी को ही अलवर (राजस्थान) के नौगांवा गांव में एक नाबालिग से बलात्कार करने और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के आरोप में उसके भाई को गिरफ्तार किया गया।

12 फरवरी को केंद्रपाड़ा (ओडिशा) की अदालत ने 8 वर्षीय बच्ची से बलात्कार करने ने आरोप में एक अध्यापक को 20 वर्ष कैद की सजा सुनाई।12 फरवरी को ही शिवपुरी (मध्य प्रदेश) में एक 7 वर्षीय बच्ची से बलात्कार करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया। 12 फरवरी को ही इटावा (उत्तर प्रदेश) में चाकलेट दिलाने के बहाने एक 7 वर्षीय बच्ची से अंकुर नामक युवक ने बलात्कार कर डाला।ये वारदातें तो महज बानगी यानि नमूना भर है हकीकत में स्थिति और भी बदतर है।

हालांकि अदालतों ने दोषियों को सजा दी है, परंतु यह बुराई रुकने का नाम नहीं ले रही। ऐसे आरोपों में संलिप्त होने वालों को विशेष अदालतों के जरिए तुरंत मृत्युदंड देने की जरूरत है ताकि देश को ऐसे लोगों से मुक्ति मिल सके।

मासूम बच्चों का संरक्षण करने के लिए पॉक्सो एक्ट बनाया गया है। इस कानून को पॉक्सो एक्ट-2012 के नाम से जाना जाता है। इस कानून के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्ची के साथ रेप के दोषी को फांसी की सजा का प्रावधन है। पॉक्सो कानून बच्चों के खिलाफ अपराधों को 'जेंडर न्यूट्रल' भी बनाता है। इसका सीधा मतलब ये है कि कानून बच्चियों के साथ-साथ लड़कों के खिलाफ हुए अपराध को भी देखता है। ये कहना गलत नहीं होगा कि डिजिटल क्रांति ने हर शख्स के हाथ में अश्लील सामग्री की पहुंच आसान कर दी है। यही आसान पहुंच लोगों की मानसिकता पर प्रभाव डालती है, जिस कारण इस तरह के मामलों में इजाफा हो रहा है। वहीं, कानून-व्यवस्था की खराब स्थिति अपराधियों का हौसला और बुलंद कर देती है। भले ही देश में बलात्कार को लेकर कानून बने हो लेकिन सजा की प्रक्रिया बेहद जटिल है जिस कारण अपराधी को सजा मिलने में बहुत अधिक समय लग जाता है।

निरंतर परिश्रम, संघर्ष और मनोबल के श्रेष्ठ परिणाम

संजीव ठाकुर

जिंदगी का मूल ही निरंतर संघर्ष श्रम संकल्प और प्रगति है। सकारात्मक उद्देश्य को लेकर किया गया श्रम सदैव श्रेष्ठ परिणाम देता है। श्रम और संघर्ष का कोई विकल्प ही नहीं है। निरंतर श्रम करना उच्च मनोबल बनाए रखना और सफलता की कामना और पवित्र महत्वाकांक्षा सफल मनुष्य के सच्चे मित्र होते हैं॥ जीवन है चलने का नाम, गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नावप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज मैं 3% नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो। वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है, जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है।

दूसरे धर्म में शादी करना गलत नहीं, लेकिन..., लव जिहाद सीएम देवेंद्र फडणवीस

- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि फेक आइडेंटिटी का इस्तेमाल और धोखाधड़ी के मामलों पर अंकुश लगाने की जरूरत है.

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि अंतरधार्मिक विवाह में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन धोखाधड़ी और गलत पहचान के जरिए वैवाहिक संबंधों के खिलाफ कदम उठाए जाने की जरूरत है. नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और केरल हाई कोर्ट ने 'लव जिहाद' की रियलिटी को लेकर टिप्पणियां की हैं.फडणवीस राज्य सरकार द्वारा जबरन धर्मांतरण और 'लव जिहाद' के मामलों के खिलाफ एक नए कानून के कानूनी पहलुओं का अध्ययन करने के लिए एक समिति गठित करने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे.बता दें कि लव जिहाद एक ऐसा शब्द है, जिसका इस्तेमाल दक्षिणपंथी एक्टिविस्ट और संगठनों द्वारा मुस्लिम पुरुषों द्वारा हिंदू महिलाओं को शादी के जरिए इस्लाम में परिवर्तित करने की साजिश का आरोप लगाने के लिए किया जाता है.'अंतरधार्मिक विवाह में कुछ भी गलत नहीं'मुख्यमंत्री ने कहा, ₹यह एक रियलिटी है और महाराष्ट्र में शादी में धोखा दिए जाने और फिर बच्चे पैदा होने के बाद छोड़ दिए जाने की घटनाएं बढ़ रही हैं.₹ उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतरधार्मिक विवाह में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन फेक आइडेंटिटी का इस्तेमाल और धोखाधड़ी के मामले गंभीर हैं और इन पर अंकुश लगाने की जरूरत है.

'सिर्फ 2 घंटे के लिए ईडी दे दो, अमित शाह भी हमारी पार्टी में होंगे': ऑपरेशन टाइगर पर बोले, संजय राउत

संजय राउत ने कहा दो घंटे के लिए ईडी दे दो, फिर देखें कि अमित शाह भी हमारी पार्टी में शामिल होते हैं या नहीं.

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र के मंत्री उदय सामंत ने दावोस दौरे के दौरान 'ऑपरेशन टाइगर' का ऐलान कर सियासी हलचल मचा दी थी. उन्होंने दावा किया था कि पुराने साथी एक के बाद एक शिवसेना में शामिल होंगे. कुछ ही दिनों में रत्नागिरी जिले के राजापुर-लांजा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक राजन साल्वी ने उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका देते हुए शिवसेना का दामन थाम लिया था. इसके बाद महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना के खिलाफ 'ऑपरेशन टाइगर' की जोरदार चर्चा हो रही है. शिवसेना सांसद संजय राउत ने 'ऑपरेशन टाइगर' को लेकर महायुति की कड़ी आलोचना की. मीडिया से बातचीत करते हुए संजय राउत ने कहा, ₹यह कैसा ऑपरेशन टाइगर है? आज उनके पास सत्ता है. इसलिए सत्ता का आनंद ले रहे हैं. हमलोग भी सत्ता में थे. लेकिन, सत्ता का ऐसा दुरुपयोग नहीं किया है. उनके पास सत्ता और मशीनरी है, इसलिए वे दूसरों पर दबाव बना रहे हैं. हमें सिर्फ दो घंटे के लिए ईडी दे दो, फिर देखें कि अमित शाह भी हमारी पार्टी में शामिल होते हैं या नहीं.

नाखुश नहीं है पार्टी के नेताः राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि शिवसेना नेता भास्कर जाधव नाखुश हैं. शनिवार को हुई बैठक में भी मौजूद नहीं थे. इस पर राउत ने कहा कि उन्हें देर से बुलाया गया था. उनके परिवार के किसी सदस्य की शादी भी थी, इसलिए वे नहीं आ सके. हालांकि ऑनलाइन बैठक में शामिल हुए. संजय राउत ने कहा भास्कर जाधव कोंकण में शिवसेना यूबीटी के वरिष्ठ नेता हैं. हम उनके संपर्क में हैं. उन्होंने जो रुख अपनाया है, उस पर पार्टी के भीतर चर्चा चल रही है. लेकिन वे नाखुश नहीं हैं. रामदास पर साधा निशानाः रामदास कदम ने कहा था, ₹अगर मैंने अपना मुंह खोला तो उद्धव ठाकरे को देश छोड़कर भागना पड़ेगा.₹ इस सवाल पर राउत ने कहा कि अगर वह ऐसा कहते हैं तो क्या हमारे पास बोलने के लिए मुंह नहीं है? संजय राउत ने कहा कि रामदास कदम के हारने के बाद भी उद्धव ठाकरे ने उनको विधान परिषद में भेजा था. अगर उन्हें यह नहीं पता, अगर उनमें कृतज्ञता नहीं है तो उनमें कोई मानवता नहीं है.

भगदड़ में मरनेवालों की संख्या अधिकः नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में भीड़ के कारण भगदड़ मच गई. इस हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई.

फास्ट ट्रैक

भारत रत्न डॉ बाबासाहेब अंबेडकर मेमोरियल अस्पताल में दिनांक 15/02/2025 को एक दिवसीय सर्जरी कार्यशाला आयोजन संपन्न

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मेमोरियल अस्पताल में एक दिवसीय सर्जरी कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की गई है। इस कार्यशाला में ऑपरेशन थिएटर से सभागार तक 7 सर्जरी का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यशाला में लैप्रोस्कोपिक पित्त थैली,appendix, पेट हर्निया, अन्न नली (एसोफैगस) का हर्निया और गुदा द्वार के नालव्रण के सर्जरी को भी दिखाया गया।डॉ. कनकराया, डॉ. हर्षवर्धन शिरसाट, डॉ. सुदत्त वाघमारे, डॉ. नितिन बोरले, डॉ. हेमंत जैन और डॉ. निरंजन अग्रवाल ने इस कार्यशाला में भाग लिया।डॉ सुषमा साथी अस्पताल के चिकित्सा निदेशक मुख्य अतिथि थे और सर्जरी विभाग द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और दर्शकों को सूचित किया कि हमारे अस्पताल में लगभग 5000 सर्जरी की जाती हैं। मुंबई सर्जिकल सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. नरेश रॉ ने कार्यशाला को बहुत ही समर्पित तरीके से आयोजित करने के लिए रेलवे प्रशासन को बधाई दी।

मुंबई में कोयले से चलने वाले तंदूर भट्टियों पर रोक, नियमों का पालन न करने वालों के लाइसेंस होंगे रद्द

- मुंबई में तंदूर कोयला ओवन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया
- होटल और रेस्तरां को वैकल्पिक ईंधन का उपयोग करने का निर्देश
- बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद बीएमसी ने कार्रवाई शुरू की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुंबई से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। मुंबई में होटलों, रेस्तरां और ढाबों में तंदूर रोटियां बनाने के लिए तंदूर कोयला ओवन के उपयोग पर अब प्रतिबंध लगा दिया गया है। अगर आप तंदूर रोटी खाते हैं और आपको तंदूर रोटी बहुत पसंद है तो यह खबर आपके लिए जरूरी है। ऐसा नहीं है कि मुंबई महानगर निगम की ओर से तंदूर कोयला भट्टियों पर प्रतिबंध लगा दिए जाने के कारण तंदूर रोटी उपलब्ध नहीं होगी। मुंबई नगर निगम ने अलग-अलग होटल मालिकों और संचालकों को कोयला भट्टियों के विकल्प का सुझाव दिया है। दरअसल बॉम्बे हाईकोर्ट ने स्वयं इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। हाईकोर्ट के आदेश के बाद मुंबई नगर निगम की ओर से इस संबंध में कार्रवाई की जा रही है।

होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों को नोटिस जारी

बीएमसी ने इस संबंध में सभी होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों को नोटिस जारी कर दिया है। नगर निगम की इस कार्रवाई पर कुछ होटल मालिकों ने नाराजगी जताई है। कुछ लोगों का कहना है कि कोयले की भट्टियां बंद करने से तंदूर रोटी का स्वाद बदल जाएगा। हालांकि अदालत के आदेश के अनुसार, अब तंदूर कोयला भट्टियों के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा।

बीएमसी ने नोटिस में क्या कहा है?

बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद मुंबई नगर निगम ने कोयला और लकड़ी के भट्टियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। मुंबई नगर निगम ने कोयले से चलने वाले तंदूर ओवन का उपयोग करने वाले रेस्तरां, होटल और ढाबों को नोटिस जारी किया है। रसोईघर में कोयले से चलने वाली भट्टियों के स्थान पर बिजली उपकरण, सीएनजी, पीएनजी और एलपीजी ईंधन का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। इसलिए अब मुंबईकर कोयले से चलने वाले तंदूर ओवन से तंदूर रोटी खाने का आनंद नहीं ले पाएंगे।

कब तक करना होगा आदेश का पालन?

मुंबई नगर निगम ने होटल संचालकों को 7 जुलाई तक कोयले से चलने वाले तंदूर ओवन को इलेक्ट्रिक उपकरणों में बदलने का निर्देश दिया है। नगर निगम ने चेतावनी दी है कि यदि इस निर्णय का पालन नहीं किया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। दिलचस्प बात यह है कि इस मामले में चेतावनी दी गई है कि लाइसेंस रद्द करने तक की कार्रवाई की जाएगी। इसलिए अब होटल मालिकों के पास मुंबई नगर निगम के आदेशों का पालन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

नृत्य के माध्यम से निराकार परम सत्ता की आराधनाः नृत्योपासना २०२५

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

कल्याण, १६ फरवरी २०२५: निनाद संगीत विद्यालय के नटश्री नृत्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत वार्षिक नृत्य कार्यक्रम, बहुप्रतीक्षित नृत्योपासना २०२५, रविवार, १६ फरवरी को कल्याण (पश्चिम) स्थित आचार्य प्रहलाद केशव अत्रे रंगमंदिर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल १८८ विद्यार्थियों ने भाग लिया और शास्त्रीय नृत्य और भक्ति का एक मनमोहक प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों श्री साहेबराव कावले, श्री भूरेसिंह महाजन, श्रीमती प्रतिभा महाजन और श्रीमती भक्ति महाजन द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके की गई, जिससे कार्यक्रम की शुभ शुरूआत हुई। इसके बाद प्रसिद्ध गायक श्री ओमनकुट्टन नायर द्वारा गाई गई एक भावपूर्ण गणेश स्तुति ने सुबह की शुरूआत की।इसके बाद कार्यक्रम के एंकर ने दर्शकों को प्रदर्शनों के क्रम के माध्यम से मार्गदर्शन करते हुए कार्यभार संभाला। नृत्य प्रस्तुति की शुरूआत पुष्पांजलि से हुई, उसके बाद गणेश कृति, श्लोकम, और अलारिप्पु, आदवु-एस, नोट्टुस्वरम, शब्दम, और हरि नारायण सहित अन्य शास्त्रीय प्रस्तुतियाँ हुईं। इन प्रस्तुतियों ने विभिन्न शास्त्रीय नृत्य रूपों के माध्यम से समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक भक्ति को प्रदर्शित किया।थोड़े अंतराल के बाद, कार्यक्रम के दूसरे भाग में शिक्षिका श्रीमती भक्ति महाजन द्वारा अर्धनारीश्वर स्तोत्रम का एक सुंदर प्रदर्शन किया गया। , भगवान शिव के अर्धनारीश्वर रूप का एक सुंदर आह्वान है, जो पुरुष और स्त्री ऊर्जा के संलयन का प्रतीक है। इसके बाद शिव कीर्तनम, तिलना हुआ और शुभ मंगलम के साथ समापन हुआ।भक्ति, नृत्य और संगीत का सम्मिश्रण करने वाला यह कार्यक्रम एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उत्सव था जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और छात्रों और शिक्षकों की कड़ी मेहनत और समर्पण को समान रूप से दर्शाया।नृत्योपासना २०२५ एक शानदार सफलता थी, जिसने भाग लेने वाले सभी लोगों को एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया और एक बार फिर शास्त्रीय नृत्य को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए निनाद संगीत विद्यालय के नटश्री नृत्यालय की मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि की।भारतीय परंपराओं और आध्यात्मिकता का जश्न मनाते हुए शास्त्रीय नृत्य को उसकी पूरी महिमा में अनुभव करने का यह एक अद्भुत अवसर था।

नागपुर में बड़ा हादसा! विस्फोटक कंपनी में धमाका, 2 लोगों की मौत, बढ़ सकती है मरने वालों की संख्या

- नागपुर में विस्फोटक यूनिट में हुआ भयंकर विस्फोट
- दो लोगों की मौत, कई लोगों के घायल होने की खबर
- राहत-बचाव जारी, मलबे में कई के दबे होने की आशंका

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नागपुरः महाराष्ट्र के नागपुर जिले में रविवार को एक विस्फोटक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि विस्फोट जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर काटोल तहसील के कोतवलबडी में एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में दोपहर 1:30 बजे हुआ। उन्होंने कहा कि दो लोगों की मौत हुई है और कुछ अन्य घायल हुए हैं। घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के कारण आसपास की झाड़ियों में मामूली आग लग गई, जिसे बुझा दिया गया है।राहत और बचाव काम जारीफैक्ट्री में विस्फोट की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची और राहत और बचाव कार्य शुरू किया। जानकारी के अनुसार, मलबे में कई मजदूरों के दबे होने की आशंका है।फिलहाल, राहत एवं बचाव कार्य जारी है। हालांकि, मामले में अधिक जानकारी सामने नहीं आई है।जनवरी में भंडारा ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में हुआ था धमाकाइससे पहले जनवरी में महाराष्ट्र के भंडारा के जवाहर नगर स्थित ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में बड़ा धमाका हुआ था। इस हादसे में 8 कर्मचारियों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे। इसकी जानकारी खुद केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी थी।नितिन गडकरी ने बताया था कि भंडारा में ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में बड़ा धमाका हुआ है। घटना में 8 लोगों की मौत हो गई और सात लोग जख्मी हुए हैं। यह प्राथमिक रिपोर्ट आई है। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि भी दी थी।रक्षामंत्री ने जताया था दुखइस घटना पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी दुख जताया था। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा था कि महाराष्ट्र के भंडारा स्थित आयुध कारखाने में हुए विस्फोट के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ।

मध्य रेल ने महाकुंभ-2025 के लिए आरामदायक और परेशानी मुक्त यात्रा के लिए विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल ने महाकुंभ-2025 के लिए प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक सहज और सुविधाजनक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए अपने नेटवर्क में विशेष ट्रेन सेवाओं, बढ़ी हुई यात्री सुविधाओं और व्यापक भीड़ प्रबंधन रणनीतियों सहित व्यापक व्यवस्थाएँ शुरू की हैं।

विशेष ट्रेन सेवाएँ

यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए, मध्य रेल ने महाकुंभ-2025 के लिए 42 विशेष ट्रेन सेवाएँ निर्धारित की हैं। इनमें शामिल हैं:

सीएसएमटी-मऊ-सीएसएमटी स्पेशल की 14 सेवाएँ

पुणे-मऊ-पुणे स्पेशल की 12 सेवाएँ

नागपुर-दानापुर-नागपुर स्पेशल की 12 सेवाएँ

एलटीटी-बनारस-एलटीटी स्पेशल की 4 सेवाएँ

इसके अतिरिक्त, अन्य रेलवे द्वारा संचालित कई विशेष ट्रेनें मध्य रेल स्टेशनों से गुजरेंगी, जिससे तीर्थयात्रियों को और सुविधा मिलेगी।

मध्य रेल द्वारा निम्नलिखित स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में वृद्धि तथा भीड़ प्रबंधन के उपायः

मुंबई डिवीजन-सीएसएमटी, एलटीटी, ठाणे, कल्याण

पुणे डिवीजन-पुणे, दौंड, अहमदनगर, मिरज, कोल्हापुर,

भुसावल डिवीजन-भुसावल, मनमाड, नासिक रोड, खंडवा

नागपुर डिवीजन- नागपुर, बल्लारशाह, चंद्रपुर, सेवाग्राम, बैतूल, पांडुरना

सोलापुर डिवीजन-सोलापुर

स्टेशनों पर उपाय

यात्रियों की सहायता के लिए ह्यक्या मैं आपकी सहायता कर सकता हूँह्ल बूथ।

अतिरिक्त टिकट काउंटर।

प्रतीक्षारत यात्रियों के लिए प्रमुख स्टेशनों पर समर्पित होल्डिंग क्षेत्र।

भीड़भाड़ को रोकने के लिए एस्केलेटर और लिफ्ट तक नियंत्रित पहुँच।

यात्री प्रवाह को सुव्यवस्थित करने के लिए डिवाइडर का उपयोग करके एफओबी पर एकतरफा आवाजाही लागू की गई।

समन्वित सीसीटीवी निगरानी और घोषणाओं के माध्यम से वास्तविक समय में भीड़ प्रबंधन।

कई भीड़ भरी ट्रेनों को एक दूसरे के निकट प्लेटफॉर्म पर आने से रोकने के लिए रणनीतिक ट्रेन प्लेसमेंट।

सभी प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त आरपीएफ और टिकट-जांच कर्मियों के साथ कतार प्रबंधन प्रणाली लागू की गई है ताकि सुचारू रूप से चढ़ना सुनिश्चित हो सके।

मार्ग में उपाय और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉलः

यदि अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) या अन्य कारणों से कोई ट्रेन रुकती है, तो ट्रेन कर्मचारी यात्रियों को सूचित करने, गलत सूचना को रोकने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत उतरेंगे।

अन्य गुजरने वाली ट्रेनों को नियंत्रित करने के लिए आस-पास के स्टेशनों और आपातकालीन नियंत्रण केंद्रों को सतर्क किया जाएगा।

यात्रियों की सहायता और मार्गदर्शन करने के लिए प्रमुख स्थानों पर आरपीएफ और टिकट जांच कर्मचारियों की स्पष्ट उपस्थिति।

निर्दिष्ट होल्डिंग क्षेत्रों में पीने के पानी और शौचालय की सुविधा प्रदान की गई।

अतिरिक्त उपाय - मुंबई डिवीजन

मुंबई डिवीजन सीएसएमटी से 3 दैनिक ट्रेनें और एलटीटी से प्रयागराज के लिए 12 दैनिक ट्रेनें चला रहा है, साथ ही दादर (01025 और 01027) से 2 विशेष ट्रेनें भी चला रहा है।

दो कुंभ विशेष ट्रेनें (01033 और 01031) चालू हैं।

प्रयागराज जाने वाली दो विशेष ट्रेनों (01025 और 01027) में से प्रत्येक में एक अतिरिक्त कोच जोड़ा गया है।

सीएसएमटी, एलटीटी, ठाणे और कल्याण में पांच अतिरिक्त यूटीएस टिकट काउंटर खोले गए हैं।

भीड़ की निगरानी के लिए प्रमुख स्थानों पर वाणिज्यिक अधिकारी (3) और वाणिज्यिक निरीक्षक (18) तैनात किए गए हैं।

कतार प्रबंधन और सुरक्षा के लिए प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में 150 टिकट चेकिंग कर्मी और 45 आरपीएफ कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

यात्रियों को वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करने के लिए घोषणाओं की बारीकी से निगरानी की जा रही है।

सभी मेल/एक्सप्रेस ठहराव स्टेशनों पर भोजन और पीने के पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है।

अतिरिक्त उपाय - नागपुर डिवीजन

वर्तमान में, नागपुर डिवीजन से प्रयागराज की ओर 39 ट्रेनें संचालित होती हैं: 2 दैनिक ट्रेनें (12791 और 12295) और 37 साप्ताहिक/द्विसाप्ताहिक ट्रेनें, औसतन प्रतिदिन 6 ट्रेनें।

अब तक पाँच विशेष ट्रेनें संचालित की गई हैं, तथा 23 फरवरी को एक अतिरिक्त ट्रेन निर्धारित की गई है।

यूटीएस टिकट बिक्री पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, तथा मांग में वृद्धि देखी गई है: 14 फरवरी को 245 टिकट और 15 फरवरी को 360 टिकट बेचे गए।

मंडल में बोर्डिंग और डिबोर्डिंग के लिए प्रमुख स्टेशनों में बल्हारशाह और नागपुर शामिल हैं।

बल्हारशाह में 5 और नागपुर में 10 टिकट-चेकिंग स्टाफ, आरपीएफ कर्मियों के साथ, आरक्षित यात्रियों की सहायता करने और आरक्षित कोचों में अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए तैनात किए गए हैं।

यात्री प्रबंधन की निगरानी के लिए शिफ्टों में वाणिज्यिक अधिकारी तैनात किए गए हैं।

ट्रेन आने से 15 मिनट पहले कोच की अग्रिम स्थिति की घोषणा की जाती है।

ट्रेनों के आने से 30 मिनट पहले पीए सिस्टम पर लगातार घोषणाएँ की जाती हैं।

यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) पर टिकट जाँच कर्मचारी तैनात किए जाते हैं।

वास्तविक समय में भीड़ की निगरानी के लिए प्लेटफॉर्म और सकुर्लेटिंग एरिया में सीसीटीवी निगरानी की जाती है।

ऑपरेटिंग विभाग को उत्तर की ओर जाने वाली ट्रेनों के लिए प्लेटफॉर्म परिवर्तन से बचने का निर्देश दिया गया है।

अतिरिक्त उपाय - पुणे डिवीजन

पुणे मंडल वर्तमान में प्रयागराज क्षेत्र की ओर 07 ट्रेनें चला रहा है। डु ट्रेन 12149 पुणे से दानापुर और बाकी 5 साप्ताहिक (औसतन 1 प्रतिदिन)

इसके अलावा, पुणे डिवीजन ने प्रयागराज के लिए 6 ट्रिप वाली एक विशेष ट्रेन चलाई है (ट्रेन 01455 पुणे से मऊ तक 110% ऑक्यूपेंसी के साथ)

2 ट्रेनें गुजर रही हैं

पुणे में यूटीएस टिकट बिक्री की निगरानी की जा रही है।

14/02/2025 को पुणे डिवीजन के स्टेशनों से महाकुंभ क्षेत्र के स्टेशनों के लिए कुल 932 लोगों ने टिकट खरीदे।

15/02/2025 को पुणे डिवीजन से महाकुंभ क्षेत्र के स्टेशनों के लिए कुल 654 लोगों ने टिकट खरीदे।

पुणे मंडल में प्रयागराज ट्रेनों में यात्री चढ़ने/उतरने वाले महत्वपूर्ण स्टेशन हैं: पुणे, दौंड, अहमदनगर, मिराज और कोल्हापुर

प्लेटफॉर्म पर ट्रेनों की जांच करने और अनियमित यात्रियों को उतारने के लिए आरपीएफ कर्मियों के साथ 10 स्टेशन स्टाफ और स्क्वायड बैच तैनात किए गए हैं।

प्रस्थान तक बर्थिंग के समय विशेष रूप से वाणिज्यिक अधिकारी मौजूद रहते हैं।

कोच की स्थिति की पुष्टि पीछे के स्टेशन से की जाती है और उसे पहले ही प्रदर्शित कर दिया जाता है।

ट्रेन आने से कम से कम 30 मिनट पहले पीए सिस्टम पर लगातार घोषणा शुरू हो जाती है।

भीड़ को नियंत्रित रखने के लिए एफओबी पर टीसी स्टाफ को तैनात किया गया है और उन्हें संवेदनशील बनाया गया है। स्टेशन पर भीड़ जमा होने से बचना है।

सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष के माध्यम से आरपीएफ द्वारा पीएफ और सकुर्लेटिंग क्षेत्रों की निगरानी की जाती है। किसी भी भीड़ के होने पर उसे तितर-बितर करने के लिए ग्राउंड स्टाफ को सूचित किया जाता है।

परिचालन को पीएफ में किसी भी तरह के बदलाव से बचने के लिए कहा गया है। खास तौर पर उत्तर दिशा से आने वाली/जाने वाली ट्रेनों के लिए।

यात्रियों की मदद के लिए पुणे स्टेशन पर हेल्प डेस्क की सुविधा तैनात की गई है

खास तौर पर द्वितीय श्रेणी के अनारक्षित कोच और स्लीपर कोच के लिए 2/3 की आरपीएफ टीम प्लेटफॉर्म के दोनों छोर पर मौजूद रहती है

जब ऐसी ट्रेनें बर्थिंग करती हैं तो सेक्शनल सीसीआई और डीसीटीआई हमेशा प्लेटफॉर्म पर मौजूद रहते हैं।

यह सुनिश्चित करने के लिए खानपान प्रबंधन किया गया है कि अनधिकृत वेंडिंग न हो क्योंकि इससे प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध जगह कम हो जाती है

यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे आसानी से चढ़ने और परेशानी मुक्त यात्रा की सुविधा के लिए स्टेशन पर पहले से ही पहुंच जाएं।

विशेष ट्रेन सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं या NTES ऐप डाउनलोड कर सकते हैं।

मध्य रेल महाकुंभ-2025 में यात्रा करने वाले सभी यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और कुशल यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नवी मुंबई नगर निगम में मुख्यमंत्री द्वारा संकल्पित 100 दिवसीय कार्य योजना का प्रभावी कार्यान्वयन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नवी मुंबई , प्रशासन के माध्यम से नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सेवाएँ गुणवत्तापूर्ण एवं तीव्र होनी चाहिए। नवी मुंबई मनपा के सभी विभागों ने देवेंद्र फड़नवीस द्वारा दी गई 100-दिवसीय कार्य योजना के प्रभावी कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए मनपा आयुक्त डॉ कैलास शिंदे द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार व्यावहारिक कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्हें प्रतिदिन नियमित कार्यालय कार्य में व्यस्त रहना पड़ता है, अतः अधिकारी एवं कर्मचारी सार्वजनिक अवकाश के दिनों में कार्यालय आकर कार्ययोजना का क्रियान्वयन कर रहे हैं। अपने-अपने विभागों में पुरानी एवं अनुपयोगी सामग्रियों का निपटान, कार्यालयों एवं परिसरों की साफ-सफाई, दस्तावेजों एवं दस्तावेजों का प्रचलित नियमों एवं प्रक्रियाओं के अनुसार वर्गीकरण, उनका ए, बी, सी एवं डी में वर्गीकरण। सभी विभागों में दस्तावेजों को नष्ट करने एवं उनका पंजीयन करने तथा वर्गीकृत अभिलेखों को रिकार्ड रूम में जमा करने जैसी विभिन्न कार्यवाही की जा रही है। रायगढ़ जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी सात्यकि बड़े की विशेष मार्गदर्शन कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इस प्रकार, नवी मुंबई मनपा मुख्यमंत्री द्वारा संकल्पित 100 दिनों की कार्य योजना को प्रभावी ढंग से कार्यान्वित कर रहा है और विभिन्न विभागों द्वारा की गई कार्रवाई की निगरानी की जाएगी।

मानस मानव जीवन की आचार संहिता है

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर/आदेश मिश्र

लोकाधिकार सेवा समिति द्वारा जिला कारागार मे काशी धाम से आए हुए मानस कोविद् पंडित मदन मोहन मिश्र जी महाराज राम कथा के द्वितीय दिवस पर शनिवार को जिला कारागार मे व्यास पीठ से महाराज ने कथा का वर्णन करते हुए कहा कि मयार्दा आदर्श नम्रता और सहननशीलता का ही नाम मानस है, मानस मानव जीवन की आचार संहिता है भविष्य में होने वाली घटनाओं को अनुमान कहते हैं जो सारे अनुमान को मंगलमय बना दें उन्हें हनुमान कहते हैं जो अपमान में भी सम्मान की भावना देख लेता है उसे ही महादेव कहा जाता है अपने को अमर बनाने के लिए जो अमृत पिता है वह केवल देव है लोक कल्याण के लिए जो जहर पी जाता है वही महादेव है प्रभु श्री राम हनुमान जी के हृदय में निवास करते हैं हनुमान जी की उपासना से सभी प्रकार के संकट दूर हो जाते हैं सुमित आती है बुरे विचार भाग जाते हैं हनुमान जी सुग्रीव को भगवान श्री राम से मिला देते हैं विभीषण को श्री राम से मिला देते हैं लक्ष्मण जी को संजीवनी लाकर के जिला देते हैं सभी के जीवन में मंगल प्रदान करते हैं इसलिए वह मंगल मूर्ति है माता-पिता के सामने सूक्ष्म और राक्षसों के सामने विकट रूप दिखाकर यह बताते हैं हमको बड़ों के सामने विनम्र रहना चाहिए आतंकवादी और उग्रवादियों के सामने बाल प्रदर्शन करना चाहिए शंकर जी के एक हाथ में डमरु एक में त्रिशूल यह बताता है कि स्वस्थ और शास्त्र दोनों मजबूत होना चाहिए शंकर जी भले ही अस्मशान में रहते हो लेकिन समग्र पूजा उनके पुत्र मंगल के देवता गणेश से ही होती है. श्रोतागण कथा सुनकर मंत्र मुग्ध हो जारहे है, यह तीन दिवसीय मानस प्रवचन लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया द्वारा बंदी सुधार अभियान के तहत जेल में निरुद्ध कैदियों हेतु चल रहा है, कथा मे समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया, डिप्टी जेलर कविता कुमारी, रीता श्रीवास्तव, गौरव कुमार सिंह, समिति के राष्ट्रीय सचिव प्रभाकर शुक्ल रिंकू भइया, मंच संचालन अधिवक्ता सुभाष त्रिपाठी, जयसिंहपुर प्रमुख राहुल शुक्ल, संदीप दुबे, नवीन सिंह, पत्रकार आदेश मिश्र, अंजनी यादव, हैपी पांडेय, बब्लू तिवारी, गौरव पांडेय, आकाश दुबे कृष्णा सिंह सहित जेल के प्रशासनिक अधिकारी आदि लोग मौजूद थे.

संस्कार क्लासेस के वार्षिक व सांस्कृतिक महोत्सव में छात्र व छात्राओं ने किया अपनी कला का प्रदर्शन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , संस्कार क्लासेस के छात्र और छात्राओं के पढ़ाई के अतिरिक्त अन्य कौशल्य को बढ़ाने हेतु हर साल वार्षिक व सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया जाता है। गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी आयोजन में बड़ी संख्या में छात्र और छात्राओं ने हिस्सा लिया। संस्कार वार्षिक व सांस्कृतिक महोत्सव में बच्चों द्वारा नाट्य व ड्रामा जैसे सोशल अवेयरनेस जैसे मुद्दों पर परफॉर्मेंस किया गया। साथ ही संस्कार कंपटीशन फेस्टिवल में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किए हुए बच्चों को मेडल व सर्टिफिकेट से पुरस्कृत किया गया। इस महोत्सव में संस्कार एजुकेशन चैरिटेबल ट्रस्ट शिवशांति प्रतिष्ठान तथा शिव परिवार के संस्थापक एड.विनय कुमार सिंह जी द्वारा बच्चों और अभिभावकों को बच्चों के उज्जवल भविष्य के संदर्भ में संदेश दिया गया बच्चों का मनोबल बढ़ाने हेतु इस महोत्सव में नानजी भाई खेमजी भाई ठक्कर ठानावाला, एकनाथ भोईर, सुधाकर सिंह - ई एस आई सी के डिप्टी डायरेक्टर, मनीषा सिंह, दीपक पाठक संजय झा व अन्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए बच्चों का हौसला बढ़ाया। संस्कार क्लासेस की संचालिका श्रीमती लक्ष्मी मौर्य, हर्ष सिंह, श्रीमती जूली वर्मा, श्रीमती पूजा केलास्कर, श्रीमती रुकमणी पटेल आंचल गॉड, ममता खरवड़, आयुषी शुक्ला, सुमन ओझा व शिक्षक, विद्यार्थी व अभिभावकों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

संगीत भूषण पंडित राम मराठे संगीत महोत्सव के दूसरे दिन गायन, तबला और बासुरी की जुगलबंदी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,मनपा ने संगीत भूषण पं. राम मराठे मेमोरियल म्यूजिक फेस्टिवल का दूसरा दिन कई तरह की प्रस्तुतियों से रंगीन रहा। पहले दिन के कलाकारों के प्रदर्शन को जारी रखते हुए संगीत समारोह ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तीन दिवसीय संगीत भूषण पं. राम मराठे महोत्सव का दूसरा दिन गायन, बांसुरी वादन और तबला एकल के रंग में रंगा रहा। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त (प्रथम) संदीप मालवी, उपायुक्त उमेश बिरारी एवं समिति सदस्य विवेक सोनार उपस्थित थे। मनपा की ओर से उपायुक्त उमेश बिरारी ने कलाकारों का स्वागत किया। महोत्सव के दूसरे दिन का प्रथम पुष्प जयपुर अतरोली परिवार के गायक एवं महान गायक डॉ. एस.के. अरुण द्रविड़ के शिष्य जुई धाइगुडे-पांडेय ने अपने श्रव्य गायन से दर्शकों का मनोरंजन किया। उन्होंने घरंदाज शैली का राग 'भीमपालस' प्रस्तुत किया है। उनके साथ सुप्रिया मोदक जोशी (हारमोनियम), स्वप्निल भिसे (तबला), निधि पुराणिक (तानपुरा) और अर्चना पाटिल (मुखर गायक मंडल) थे। दूसरा पुष्पवर्षा बांसुरी वादक सतेज करंदीकर एवं युवराज सोनार द्वारा किया गया। बांसुरी की बाजीगरी, तबले पर थिरकती अंगुलियां, तानपूरा की संगत और दर्शकों की तालियां एक विशेष आनंद दे रही थीं। बांसुरी वादक सतेज करंदीकर और युवराज सोनार ने राग मधुवंती, मट्टाताल और एक तलाटिल चीज की प्रस्तुति दी। उन्होंने कालीनाथ मिश्र, तथापि, तानपुरा पर, पं. विवेक सोनार की शिष्या दीपश्री आप्टे ने संगत दी। उन्होंने अब तक तबले पर कई दिग्गजों के साथ संगत की है, लेकिन आज उन्हें दो युवा बांसुरी वादकों, सतेज करंदीकर और युवराज सोनार की संगत का आनंद मिला है। कालीनाथ मिश्र ने दोनों बांसुरी वादकों की सराहना की। दूसरे दिन के तीसरे पुष्प रहे किराना परिवार के गायक पं. कैवल्यकुमार गुरु ने अपने गायन से सबका मनोरंजन किया। इस बार उन्होंने पंडित राम मराठे की यादों पर प्रकाश डाला है. पं. कैवल्यकुमार गुरु ने अपनी गायकी की शुरूआत राग गाकर की । उन्होंने अपनी ही बंदिश गुंटालागो मालनिया प्रस्तुत कर दर्शकों की तालियां बटोरीं। गायन की लय, भजन की लय, गायन की अद्वितीय लय, भजन की लय। कैवल्यकुमार ने अपनी गायकी से दर्शकों का मन मोह लिया। उनके साथ रोहित देव (तबला), ज्ञानेश्वर सोनवणे (हारमोनियम), वज्रकाय उदयराज कदम, क्षितिज वेदपाठक (तानपुरा), आदित्य जोशी (गायक) थे। पं. राम मराठे के नाम पर मनाया जा रहा यह महोत्सव विश्व प्रसिद्ध है और इस मंच पर प्रस्तुति देना एक चुनौती है। उन्होंने शुरूआत में जयपुर राजवंश के जोद्रग बसंती केदार को प्रस्तुत किया। उन्होंने विलंबित बंदिश अतर सुगंध की प्रस्तुति दी, इसके बाद पंडित मोगुबाई कुर्दिकर की चंचल बंदिश ऐ नवेली नार की प्रस्तुति दी। उन्होंने बहुत तेज लयबद्ध धुन के साथ संगीत कार्यक्रम की शुरूआत की। उनके साथ मंदार पुराणिक (तबला), निलय साल्वी (हारमोनियम) और अदिति नागरकर (तानपुरा) थे। उत्सव के दूसरे दिन के आखिरी पुष्प में उस्ताद जाकिर हुसैन और पंडित संजय मराठे की स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पंडित विभव नागेशकर ने राम मराठे के साथ मैंगलोर की अपनी यात्रा को याद किया और उनके नाम पर आयोजित होने वाले उत्सव में प्रदर्शन करने का अवसर देने के लिए मनपा के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने तीन ताल में तबला बजाना शुरू किया। उनके साथ आकाश जाल्मी (हारमोनियम), निनाद नंदलस्कर (तबला) और राकेश कुलकर्णी (लय) थे।

फास्ट ट्रैक

दो घरों में लगी आग, लाखों का नुकसान

गाय को बचाने में व्यक्ति झुलसा, दुकान का सामान भी बर्बाद

कलान, शाहजहांपुर के थाना मिजार्पुर क्षेत्र के गांव भरतपुर में एक छप्परदार मकान में अचानक लगी आग ने दो परिवारों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। संतराम के घर से शुरू हुई आग ने देखते ही देखते पड़ोसी सरवन के घर को भी अपनी चपेट में ले लिया। घटना में दोनों परिवारों का लाखों का सामान जलकर राख हो गया। बताया जाता है कि सरवन के परिवार को दोहरा झटका लगा, क्योंकि उनका बेटा मेला ढाई घाट से अपनी दुकान का सारा सामान घर लाया था, जो झोपड़ी में रखा हुआ था और पूरी तरह से जल गया।आग इतनी भयानक थी कि उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। गांव में अफरा-तफरी मच गई और ग्रामीणों ने घंटों की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान, आग बुझाने के प्रयास में गांव के संतु (हरिप्रसाद के पुत्र) गाय को बचाने के दौरान झुलस गए। अभी तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। स्थानीय प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि वह प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए आगे आए।

श्रमिकों की रक्तचाप और मधुमेह से मुक्ति के लिए मेरी लड़ाई - संजय केलकर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , विभिन्न आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक समस्याओं के कारण श्रमिक रक्तचाप और मधुमेह जैसी बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। मैं कई वर्षों से श्रमिकों के न्याय के लिए लड़ रहा हूं ताकि उन्हें इन समस्याओं से मुक्ति मिले और उनकी समस्याओं का समाधान हो। विधायक संजय केलकर ने पुरस्कार के जवाब में कहा कि मुझे लगता है कि हजारों कार्यकताओं की ओर से मुझे दिए गए कर्मचारी हृदय सम्राट पुरस्कार से मेरी जिम्मेदारी बढ़ गई है।सफाई कर्मचारियों की सुविधाओं, भत्ते, पदोन्नति, भविष्य निधि, विरासत के अधिकार जैसे विभिन्न मोर्चों पर न्याय की मांग करते हुए विधायक संजय केलकर को पांच कर्मचारी संघों की ओर से ठाणे के खारकर अली स्थित महाजनवाड़ी हॉल में आयोजित सभा में ठाणे मनपा के कर्मचारी संगठन ने उन्हें हृदय सम्राट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।वह 2006 में विधान सभा के सदस्य के रूप में चुने गए और तब से लगातार तीन बार विधान सभा के सदस्य रहे संजय केलकर ने कहा कि मैंने कभी भी श्रमिक नेता के रूप में काम नहीं किया है, लेकिन एक श्रमिक मित्र के रूप में मैं उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए संघर्ष करता रहा हूं। बंद कंपनियों के कर्मचारी वर्षों तक बकाया से वंचित रहे। उन्होंने पोयशा और मफतलाल जैसी कई कंपनियों के हजारों कर्मचारियों के लिए लड़ाई लड़ी है और इसमें सफल हो रहे हैं। उन्हें जो न्याय मिल रहा है, उससे उनके चेहरे पर जो खुशी है, उससे मुझे बहुत संतुष्टि मिलती है। विधायक संजय केलकर ने कार्यकताओं से बात करते हुए कहा, "मैंने अपना लक्ष्य जनता द्वारा मुझे दिए गए संवैधानिक पद का उपयोग आम लोगों और श्रमिकों के न्याय अधिकारों के लिए करने का काम किया।विधान परिषद सदस्य एड निरंजन डावखरे ने कहा कि आम नागरिक हो या कार्यकर्ता, विधायक संजय केलकर उनका फोन लेकर उनसे बात करते हैं। इसलिए लोग उन्हें अपना विधायक ही समझते हैं। सामान्य मुद्दों को सुलझाते समय वे शांत-संयमित रुख से बातचीत करते हैं। यदि उन्हें रोका जाए तो वे रुद्रावतार भी लेते हैं। उन्होंने विधायक केलकर के काम की सराहना की। इस अवसर पर ठाणे जिला हाउसिंग फेडरेशन के अध्यक्ष सीताराम राणे, विकास पाटील, महेश कदम, डॉ. अमोल गीते और अन्य लोग उपस्थित थे।

वीजू खटवानी भाजपा व्यापारी सेल के महासचिव, रमेश बजाज उपाध्यक्ष और अनिल कटेजा सचिव बनाए गए

उल्हासनगर भाजपा अध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ नियुक्ति कार्यक्रम

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. उल्हासनगर में आगामी नगर निकाय चुनावों और पार्टी संगठन को मजबूत करने के नजरिए से उल्हासनगर भाजपा ने शहर के व्यापारियों को अपनी ओर जोड़ने का सफल प्रयास किया है। भाजपा ने शहर के प्रतिष्ठित व्यापारियों को पार्टी संगठन में अहम जिम्मेदारियां दी हैं। व्यापारी वीजू खटवानी को उल्हासनगर जिला भाजपा व्यापारी सेल का महासचिव बनाया गया। रमेश बजाज को उल्हासनगर जिला भाजपा व्यापारी सेल का उपाध्यक्ष और अनिल कटेजा को उल्हासनगर जिला भाजपा व्यापारी सेल का सचिव नियुक्त किया गया। पार्टी के इस अहम कार्य से उल्हासनगर की राजनीति में बड़ा बदलाव आएगा और ये बदलाव आगामी चुनावों में देखा जा सकता है।

उल्हासनगर भाजपा जिला कार्यालय में पार्टी अध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी के नेतृत्व में अनेक व्यापारियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की जिनमें प्रकाश कलवानी, योगेंद्र सिंह, चरण सिंह, अमर बजाज, भारत टेकवानी, प्रदीप शर्मा, किशोर ठाकुर, सुरेश कटारिया, प्रताप बजाज, गुरमीत सिंह, आदि ने प्रवेश किया। इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष जमनू पुरुस्वानी, पूर्व नगरसेवक महेश सुखरमानी, नरेश खारवानी आदि उपस्थित थे।

दो बार चोरी का प्रयास

पुलिस पहुंचने से पहले चोर फरार, रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग

कलान, नगर पंचायत में चोरों की बढ़ती गतिविधियों से स्थानीय निवासियों में दहशत का माहौल है। मोहल्ला उल्फत नगर में चोरों की हरकतों से नागरिक इतने भयभीत हैं कि वे रात भर जागकर पहरा देने को मजबूर हैं। मोहल्ला उल्फत नगर की सभासद नाजिश जहां के पति मोहम्मद उमर ने रात में ही पुलिस को सूचित किया। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले चोर फरार हो गए। यह घटना पिछले एक सप्ताह में दूसरी बार हुई है। इससे पहले सरस्वती नगर में वीरेश के घर पर चोरों ने सेंध लगाने की कोशिश की थी, लेकिन मोहल्लेवासियों की सतर्कता के कारण वे अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाए। उस वक्त भी पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन चोरों को पकड़ने में असफल रही। लगातार बढ़ती चोरी की घटनाओं से आक्रोशित नगरवासियों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की निष्क्रियता के कारण चोरों के हौसले बुलंद हैं और उनकी गतिविधियां दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं।

डीजे पर नाचते हुए की हवाई फायरिंग

- तमंचे पर डिस्को गाने पर युवकों ने लगाए ठुमके, पुलिस जांच में जुटी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, दबंग युवकों की दादागिरी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। चौक कोतवाली क्षेत्र में कुछ युवकों ने तमंचे से हवाई फायरिंग करते हुए डीजे पर डांस करने का वीडियो सामने आया है। दैनिक भास्कर वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। सामने आए वीडियो में दिख रहे युवक क्षेत्र के दबंग बताए जा रहे हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक युवक तमंचे से हवाई फायर करने के बाद डीजे पर बज रहे गानों पर बेखौफ होकर डांस कर रहा है। इस खतरनाक हरकत से बड़ी घटना भी हो सकती थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। चौक कोतवाली प्रभारी राजीव तोमर ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर आरोपी युवकों की पहचान की जा रही है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह वीडियो कब का है। पुलिस जल्द ही युवकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बात कह रही है।

अंबरनाथ नपा अधिकारी विभिन्न विकास परियोजनाओं को गति दें - सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे

सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे ने अंबरनाथ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. विभिन्न विकास परियोजनाओं के निरीक्षण और विकास कार्यों को गति देने और क्षेत्र भ्रमण को लेकर कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे शनिवार को अंबरनाथ के विशेष दौरे पर थे। सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे ने अंबरनाथ नपा अधिकारियों को विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से और तीव्रता से करने के निर्देश दिए। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर बन रहे अंबरनाथ के प्राचीन शिवमन्दिर कॉरिडोर का निरीक्षण भी किया। यह कॉरिडोर उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे का अंबरनाथ को लेकर ड्रीम प्रॉजेक्ट है। सांसद के साथ इस निरीक्षण दौरे पर नपा के प्रशासक डॉ. प्रशांत रसाल, पूर्व नपा अध्यक्ष सुनील चौधरी, युवा सेना के लोकसभा पर्यवेक्षक निखिल अरविंद वालेकर, युवा सेना के निखिल सुनील चौधरी, नपा के अन्य अधिकारी भी साथ रहे। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर बन रहे शिवमन्दिर कॉरिडोर प्रोजेक्ट लगभग 138 करोड़ रुपए का है। इस कॉरिडोर में भव्य प्रवेश द्वार, पार्किंग स्थल, प्रदर्शनी केंद्र, प्रवेश द्वार के समक्ष नंदी प्रतिमा, सुरक्षा दीवार, चेक डैम, भक्त निवास और भव्य घाट का निर्माण किए जाने की योजना है। मंदिर के पास ही भव्य घाट का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है जहां मंदिर में आने वाले श्रद्धालु भव्य आरती का अनुभव ले सकेंगे। मंदिर परिसर में प्राचीन कुंड का काम पूरा हो चुका है। भक्त निवास का कार्य प्रारंभ हो गया है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि शीघ्र ही इस भव्य प्रोजेक्ट का कार्य पूरा हो जाएगा और प्राचीन शिवमन्दिर परिसर भव्यता और दिव्यता देखते ही बन पड़ेगी। इसके साथ ही सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे ने अंबरनाथ पश्चिम के सर्कस मैदान में 38.71 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे थिएटर का भी निरीक्षण किया। इस थिएटर का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे ने कहा कि थिएटर का उद्घाटन 1 मई को किया जाएगा जिससे अंबरनाथ और आसपास के शहरों के नागरिक विभिन्न नाट्यकलाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भरपूर आनंद ले सकेंगे। डॉ.श्रीकांत शिंदे ने अंबरनाथ पश्चिम के नेताजी मार्केट क्षेत्र में लगभग 10 करोड़ की लागत से बन रहे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का भी निरीक्षण किया। गुणवत्तापूर्ण कार्य हेतु विभिन्न सुझाव भी दिए। सांसद ने कहा कि यह कॉम्प्लेक्स वर्टिकल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की अवधारणा से बनाया जाएगा। सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे ने कहा कि इसके बनने से विभिन्न खेलो के खिलाड़ी एक छत के नीचे विभिन्न प्रकार के खेल खेल सकेंगे। इसी के साथ सांसद शिंदे ने कैलाश नगर में स्थानीय लोकल बोर्ड स्कूल नंबर 1 और स्वामी नगर स्कूल नंबर 11 की जर्जर इमारतों को तोड़कर स्थानीय बोर्ड स्कूल नंबर 1 में दोनों स्कूलों का संयुक्त भवन बनाया जा रहा है का भी निरीक्षण किया। इस भवन के बनने से छात्रों को एक नया स्कूल भवन मिलेगा जो विशाल और विभिन्न सुविधाओं से सुसज्जित होगा जहां बच्चे अपने भविष्य निर्माण की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे।

जमीनी विवाद में महिला से मारपीट और लूट

5 नामजद समेत 7 के खिलाफ केस दर्ज, पुलिस ने पहले नहीं सुनी थी फरियाद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

तिलहर, शाहजहांपुर के तिलहर में एक महिला के साथ हुई मारपीट और लूट का मामला सामने आया है। मोहल्ला उम्मरपुर निवासी जीनत जहां ने न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जीनत के मुताबिक, उनके भाइयों ने दो साल पहले मौजमपुर में स्थित जमीन का रजिस्टर्ड दान पत्र किया था। 11 फरवरी 2024 को वह अपने पति सलीम आलम के साथ इस जमीन पर सफाई कराने पहुंची थी। इसी दौरान मोहल्ला मौजमपुर के इस्लाम, हाशिम, वसीम, सिकंदर, फहीम उर्फ मंटू और दो अज्ञात लोग वहां आ गए।

पुलिस मामले की कर रही जांच

आरोपियों ने जीनत के पति के साथ मारपीट शुरू कर दी और महिला के कपड़े भी फाड़ दिए। इतना ही नहीं, आरोपियों ने जीनत की सोने की चैन और अंगूठी भी छीन ली। शोर-शराबा सुनकर जब आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़िता ने बताया कि घटना के बाद वह थाने पहुंची, लेकिन पुलिस ने उनकी शिकायत दर्ज नहीं की। इसके बाद उन्होंने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

कोर्ट के आदेश पर अब कोतवाली पुलिस ने पांच नामजद और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी राकेश कुमार ने पुष्टि की है कि न्यायालय के निर्देश पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

दो शातिर चोर गिरफ्तार

मकान-मालिक से सामना होने पर तमंचा दिखाकर हो जाते थे फरार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, पुलिस ने मकानों में चोरी की बढ़ती घटनाओं पर लगाम लगाते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। थाना सदर बाजार पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शाहबाजनगर रोड पर की गई घेराबंदी में इन आरोपियों को पकड़ा। पुलिस ने आरोपियों के पास से तमंचा, ताला तोड़ने की चाबी और छेनी बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों में असलम निगोही थाना क्षेत्र के कटिया उसमानपुर का निवासी है, जिस पर पहले से कई अपराधिक मामले दर्ज हैं। दूसरा आरोपी नन्दकिशोर उर्फ नन्दू लखीमपुर जिले के थाना बाजारगंज क्षेत्र का रहने वाला है, जिस पर दो आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे मकानों में चोरी के दौरान मकान मालिक से सामना होने पर तमंचे का इस्तेमाल कर फरार हो जाते थे। एसपी के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में पुलिस ने एक अन्य कार्रवाई में चांदनी की पुलिया सैनिक कालोनी के पास से सरजात उर्फ कुरकुर को भी गिरफ्तार किया है, जिसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं। शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं को देखते हुए एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को इन मामलों का जल्द खुलासा करने के निर्देश दिए थे। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगने की उम्मीद है।

महिला से ई-रिक्शे में चोरी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक महिला के साथ ई-रिक्शे में हुई चोरी का मामला सामने आया है। थाना तिलहर क्षेत्र की कुंवरगंज निवासी प्रीति गुप्ता के साथ 12 फरवरी को यह घटना हुई। महिला के बैग से 35 हजार रुपये नकद और सात तोला सोने के आभूषण चोरी कर लिए गए। घटना के अनुसार, प्रीति गुप्ता ई-रिक्शे में सवार थीं। रास्ते में ई-रिक्शा चालक ने पांच अन्य सवारियों को बैठाया और एक व्यक्ति को पीछे खड़ा कर दिया। आरोप है कि खड़े व्यक्ति ने पैर से बैग को दबाकर उसमें रखी नकदी और आभूषण चुरा लिए। बरेली मोड़ पर उतरने के बाद पीड़िता को चोरी का पता चला। पीड़िता ने खुद आसपास के सीसीटीवी फुटेज जुटाकर पुलिस को सौंपे, लेकिन थानों के बीच सीमा विवाद के कारण कार्रवाई में देरी हुई। बरेली मोड़ पर स्थित सीसीटीवी कैमरों के तार कटे होने के कारण वहां से कोई सबूत नहीं मिल सका। पीड़िता की शिकायत पर एसपी के निर्देश के बाद तिलहर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

मस्क ने भारतीय चुनाव में अमेरिकी फंडिंग रोकी

182 करोड़ मिलते थे, भाजपा बोली- कांग्रेस-सोरोस ने इलेक्शन प्रॉसेस में दखल दिया

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी/ नई दिल्ली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सहयोगी इलॉन मस्क ने भारत के चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए दी जाने वाली 182 करोड़ रुपए की फंडिंग रद्द कर दी है। मस्क के नेतृत्व वाले डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) ने शनिवार को ये फैसला लिया। डीओजीई ने एक लिस्ट जारी की है। इसमें डिपार्टमेंट की तरफ से 15 तरह के प्रोग्राम्स की फंडिंग रद्द की गई है। इसमें एक प्रोग्राम दुनियाभर में चुनाव प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए भी है, जिसका फंड 4200 करोड़ रुपए है। इस फंड में भारत की हिस्सेदारी 182 करोड़ रुपए की है। फैसले पर एक्स आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने दावा किया है कि इस फंड का इस्तेमाल भारतीय चुनाव को प्रभावित करने के लिए किया गया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी और अमेरिकी बिजनेसमेन जॉर्ज सोरोस पर भारत में चुनाव प्रक्रिया में दखल देने का आरोप लगाया है। बीजेपी नेता

अमित मालवीय ने ऊडऋए के फैसले पर प्रतिक्रिया दी है। इसमें उन्होंने भारत के चुनाव में 182 करोड़ की फंडिंग को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा- 21 मिलियन डॉलर (182 करोड़ रुपए) वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिए? यह साफ तौर पर देश की चुनावी प्रक्रिया में बाहरी दखल है। इस फंड से किसे फायदा होगा। जाहिर है इससे सत्ताधारी (बीजेपी) पार्टी को तो फायदा नहीं होगा। एक दूसरे पोस्ट में अमित मालवीय ने कांग्रेस पार्टी और जॉर्ज सोरोस पर भारतीय चुनाव में हस्तक्षेप का आरोप लगाया। मालवीय ने सोरोस को गांधी परिवार का जाना-माना सहयोगी बताया। मालवीय ने एक्स पर लिखा कि 2012 में एसवाई कुरैशी के नेतृत्व में चुनाव आयोग ने इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स के साथ एक एमओयू साइन किया था। ये संस्था जॉर्ज सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन से जुड़ा है। इसे मुख्य तौर पर यूएसएआईडी से आर्थिक मदद मिलती है। डीओजीई प्रमुख इलॉन मस्क से मुलाकात की थी। पीएम से मिलने के लिए मस्क ब्लेयर हाउस पहुंचे थे। पीएम मोदी ने इलॉन मस्क से मुलाकात की तस्वीरें अपने एक्स अकाउंट पर शेयर कीं। पीएम ने लिखा था, 'इलॉन मस्क से अच्छी मुलाकात हुई। हमने कई मुद्दों पर बातचीत की। इनमें वे मुद्दे शामिल थे, जिन्हें लेकर मस्क बेहद जुनूनी हैं।

जैसे- स्पेस, मोबिलिटी, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन। मैंने उनसे 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' को बढ़ावा देने के भारत के प्रयासों के बारे में बात की।' डीओजीई की तरफ से जारी की गई लिस्ट में बांग्लादेश को मिलने वाली 251 करोड़ रुपए की फंडिंग भी शामिल है। यह फंड बांग्लादेश में राजनीतिक माहौल को मजबूत करने के लिए दिया जा रहा था। यह फंडिंग ऐसे समय में रोकी गई है, जब बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार गिराने में अमेरिका के डीप स्टेट को संदिग्ध माना जा रहा है। जब मोदी की अमेरिका विजिट के दौरान ट्रम्प से इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने जवाब दिया कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन में अमेरिका का हाथ नहीं है। हालांकि, ये साफ नहीं है कि ट्रम्प ने भारत की तरफ से कौन से काम का जिक्र किया था। इसके बाद पीएम मोदी और ट्रम्प की मुलाकात हुई, जिसमें दोनों ने बांग्लादेश के हालात पर चर्चा की थी।

पाकिस्तान में फंसे 15 हजार अफगानी नागरिक

ट्रम्प ने अमेरिका आने पर रोक लगाई, बाइडेन ने शरण देने का वादा किया था

एजेंसी

इस्लामाबाद, काबुल, अफगानिस्तान की तालिबानी सत्ता के डर से अमेरिका जाने वाले अफगानी लोग अब पाकिस्तान में फंस गए हैं। वजह है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का शरणार्थियों को लेकर जारी कार्यकारी फरमान। इस आदेश के तहत अगले 90 ?दिनों तक किसी भी देश से शरणार्थी अमेरिका नहीं आ सकते हैं। पाकिस्तान में 15 हजार से ज्यादा शरणार्थी ऐसे हैं जिन्हें बाइडेन प्रशासन ने अपने देश में आने की इजाजत दे दी थी। बता दें कि अमेरिका ने 2021 में अफगानिस्तान छोड़ने से पहले हजारों शरणार्थियों को देश में जगह देने का

वादा किया था। लेकिन ट्रम्प के आदेश के चलते इन सब शरणार्थियों का भविष्य अब अधर में लटक गया है। उन्हें डर है कि वापस लौटे तो तालिबानी सत्ता जिंदा नहीं छोड़ेगी। अफगानिस्तान के लोग इन दिनों इस्लामाबाद-रावलपिंडी में सड़कों पर हैं। उनकी मांग है कि ट्रम्प इस फैसले को पलटें नहीं तो उन्हें संकट का सामना करना पड़ेगा। इस बीच पाकिस्तान सरकार ने अफगानिस्तान के शरणार्थियों को देश छोड़ने का आदेश दिया है।

पाक सरकार का कहना है कि जो अफगान शरणार्थी किसी तीसरे देश में स्थानांतरित नहीं हो सकते, उन्हें 31 मार्च 2025 के बाद पाकिस्तान छोड़ना होगा। शरणार्थी समूहों ने पाक की शहबाज सरकार के इस ऐलान की आलोचना की है। उनका कहना है कि अफगानिस्तान लौटने पर इनकी जान को खतरा है। ट्रम्प को फैसले पर विचार करना चाहिए। अफगान इवैक समूह के संस्थापक शॉन का कहना है कि इस संकट के समाधान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। तालिबान के सत्ता में आने के बाद लाखों अफगान नागरिकों ने पड़ोसी देशों का रुख किया, जिनमें सबसे अधिक लोग पाकिस्तान और ईरान पहुंचे। पाकिस्तान में पहले से ही लगभग 30 लाख अफगान शरणार्थी थे, जिनमें से अधिकांश 1980 के दशक में सोवियत आक्रमण के दौरान आए थे। तालिबान की वापसी के बाद 6 लाख से अधिक नए शरणार्थी पाकिस्तान पहुंचे। 2023 के अंत तक पाकिस्तान सरकार ने अवैध अफगान शरणार्थियों को वापस भेजने का अभियान शुरू कर दिया था। पाकिस्तान ने 15 लाख से अधिक अवैध अफगानों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। तालिबान सरकार ने पाकिस्तान की इस कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताई है।

अमेरिका ने 116 और भारतीयों को जबरन लौटाया

पुरुषों को हथकड़ी-बेड़ियां लगाईं, अमृतसर एयरपोर्ट से 5 घंटे बाद घर भेजा

एजेंसी

अमृतसर एयरपोर्ट , अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे 116 और भारतीयों को जबरन भारत भेज दिया गया। अमेरिकी एयरफोर्स का विमान ग्लोबमास्टर शनिवार देर रात 11.30 बजे अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा। इस बार महिलाओं-बच्चों को छोड़कर सभी पुरुषों को हाथों में हथकड़ियां और पैरों में बेड़ियां डालकर विमान में बैठाया गया था। एयरपोर्ट पर ही उनके परिवार से मुलाकात कराई गई। करीब 5 घंटे की वैरिफिकेशन के बाद पुलिस की गाड़ियों में सभी को घर छोड़ा गया। इस दौरान किसी को भी मीडिया से बातचीत नहीं करने दी गई। इससे पहले 5 फरवरी को 104 अप्रवासी भारतीयों को जबरन लौटाया जा चुका है। इनमें बच्चों को छोड़कर महिलाओं-पुरुषों को हथकड़ियों और बेड़ियों में जकड़कर लाया गया था। इस तरह अब तक 220 अवैध अप्रवासी भारतीयों को भारत भेजा जा चुका है। तीसरा बैच आज (16 फरवरी) रात 10 बजे आएगा। इसमें 157 अप्रवासी भारतीय होंगे। इस विमान में डिपोर्ट हुए होशियारपुर के दलजीत सिंह ने हथकड़ियां-बेड़ियां लगाने की पुष्टि की। उन्होंने कहा- हमारे हाथ बंधे थे और पैरों में जंजीरें डाली गईं थी। वह डंकी रूट से अमेरिका पहुंचा था। वहीं डिपोर्ट होकर आए चचेरे भाइयों संदीप और प्रदीप को पटियाला पुलिस ने डिटेन किया है। उनसे जून 2023 में दर्ज कत्ल केस के मामले में पूछताछ की जा रही है। शनिवार को जबरन वापस भेजे गए लोगों में पंजाब से 65, हरियाणा से 33, गुजरात से 8, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से 2-2 और हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से एक-एक व्यक्ति शामिल हैं। इनमें अधिकांश 18 से 30 साल की उम्र के हैं। पिछले बैच को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सवाल किए थे कि जब सबसे ज्यादा 33-33 लोग हरियाणा और गुजरात के थे तो विमान को अहमदाबाद या अंबाला की जगह पंजाब क्यों उतारा गया? हालांकि इस बैच में सबसे ज्यादा पंजाबियों को लौटाया गया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान रिसीव करने के लिए पहले अमृतसर एयरपोर्ट पहुंचे थे, लेकिन विमान के आने में देरी की वजह से वे लौट गए। इसके बाद पंजाब सरकार की तरफ से 2 मंत्रियों, कुलदीप धालीवाल और हरभजन सिंह ईटीओ ने पंजाब के युवकों को रिसीव किया। इस दौरान मंत्री कुलदीप धालीवाल ने रात 1 बजे अमृतसर एयरपोर्ट पहुंचकर कहा, 'उन्हें बड़ा दुख हुआ कि हरियाणा सरकार ने अमेरिका से डिपोर्ट किए अपने लोगों के लिए कैदियों वाली बस भेजी। उन्होंने हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज से कहा कि पंजाब ने अच्छी गाड़ियां लगाई हैं। विज ट्रांसपोर्ट मंत्री हैं, उन्हें कोई अच्छी बस भेजनी चाहिए थी। हरियाणा से कोई मंत्री, एमएलए या भाजपा नेता तक यहां नहीं आया।' पटियाला के गांव गाजेवास के सोहजबीर की मां बलजिंदर को पता ही नहीं था कि बेटा डिपोर्ट किया गया है। मां बिलख उठी। बताया, अपनी 3 एकड़ जमीन गिरवी रखी, उधार लेकर 60 लाख खर्च किए। एजेंट ने उसे एक साल दुबई रखा। हमें कहा 20 दिन में अमेरिका भेजेंगे। 23 जनवरी को बॉर्डर क्रॉस किया। फिर संपर्क नहीं हुआ। मां बलजिंदर कौर और पिता सुखदीप सिंह ने संतोष जताया कि बेटा सकुशल घर आ रहा है।

हलका भुलत्थ के गांव पंडोरी राजपूतां से अमेरिका गए 20 वर्षीय जशनप्रीत सिंह के डिपोर्ट होने की खबर मिलने पर मां कुलदीप कौर की आंखों में आंसू थे। वह भरी आंखों से ईश्वर को धन्यवाद दे रही थीं कि बेटा सही सलामत लौट रहा है। पिता ने बताया, बेटा अगस्त में स्पेन पहुंचा था। वहां अमेरिका जाने का मन बनाया।

कतर के अमीर 17 फरवरी को भारत आएंगे

पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता, भारत के लिए क्यों खास है कतर

एजेंसी

नई दिल्ली, कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी दो दिन के दौरे पर 17 फरवरी को भारत आएंगे। इस दौरान उनके साथ हाई लेवल डेलीगेशन भी होगा। इसमें कई मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और बिजनेस डेलीगेशन भी शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक अमीर अल-थानी पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। साथ ही वे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे। 18 फरवरी को राष्ट्रपति भवन में शेख

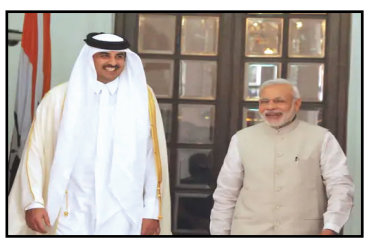

तमीम बिन हमद अल थानी का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत किया जाएगा। राष्ट्रपति मुर्मू उनके सम्मान में रात्रि भोज का आयोजन करेंगी। उनकी इस यात्रा का मकसद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। साल 2024 के अंत में विदेश मंत्री एस जयशंकर कतर पहुंचे थे। यहां उन्होंने कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी से मुलाकात की थी। यह एक साल में उनकी चौथी कतर यात्रा थी। भारत के लिए कतर क्यों खास? एक्सपर्ट्स के मुताबिक अमेरिका में ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद यूरोप से लेकर मिडिल ईस्ट तक में अनिश्चितता का माहौल है। ट्रम्प कब कौन फैसले करेंगे इसका किसी को अंदाजा नहीं है। ट्रम्प अपने पिछले कार्यकाल में ईरान के मामले में काफी सख्त थे। इस बार भी वे ईरान पर नए प्रतिबंध लगा सकते हैं। ऐसे में अपनी ऊर्जा जरूरत को पूरा करने के लिए भारत, कतर को एक सुरक्षित विकल्प के तौर पर देख रहा है। कतर भारत का सबसे बड़ा एलएनजी सप्लायर है। भारत की जरुरत का 50% एलएनजी कतर से ही आता है। इसके अलावा कतर, भारत की जरुरत का 30% एलपीजी उपलब्ध कराता है। भारत का कतर के साथ 10.64 अरब डॉलर का व्यापार घाटा ऑब्जरवेट्री ऑफ इकोनॉमिक कॉम्पलेक्सिटी (ओईसी) के मुताबिक भारत और कतर के बीच साल 2023-24 में 14.04 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था।

महाकुंभ में अव्यवस्था के कारण हो रहे सड़क हादसेः अखिलेश यादव

एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर प्रहार करते हुए महाकुंभ में कुप्रबंधन का आरोप लगाया और वहां की यात्रा के दौरान जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के लिए मुआवजे की मांग की है।

यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, महाकुंभ के श्रद्धालुओं से भरी बसों व अन्य वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबरें प्रतिदिन बढ़ रही हैं। जो बेहद दुखद है। सपा प्रमुख ने हादसों की वजह गिनाते हुए कहा, इसके पीछे मुख्य कारण ये है कि भारी जाम व अव्यवस्था के कारण चालकों की हालत बहुत खराब है। न उनकी थकान उतर रही है न नींद पूरी हो रही है। ऐसे में वो अर्द्ध निद्रा की अवस्था में वाहन चला रहे हैं जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं ।यादव ने सुझाव देते हुए कहा, साथ ही सड़कों पर पैदल चलनेवालों को बचाने की भी चुनौती है। इसलिए ध्यान भटकते ही मौतें हो रही हैं।

महाकुंभ यात्रा पर निकले उन सभी मृतक श्रद्धालुओं को एक समान माना जाए जिनकी भगदड़, हादसा या घुटन आदि कारणों से अलग-अलग जगहों पर मौत हुई है और इसके लिए उनके परिजनों को मुआवजा दिया जाए।

इसका समाधान सिर्फ अच्छी व्यवस्था है, जो सरकार ही कर सकती है पर कर नहीं पा रही है। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा, महाकुंभ यात्रा पर निकले उन सभी मृतक श्रद्धालुओं को एक समान माना जाए जिनकी भगदड़, हादसा या घुटन आदि कारणों से अलग-अलग जगहों पर मौत हुई है और इसके लिए उनके परिजनों को मुआवजा दिया जाए।

सपा प्रमुख ने कहा, सभी घायलों को उपचार के साथ-साथ क्षतिपूर्ति राशि दी जाए। केंद्र और राज्य सरकार इसके लिए विभिन्न कोषों से पैसा उपलब्ध कराएं। जब अरबों रुपये प्रचार पर बहाये जा सकते हैं तो शोक संतप्त परिजनों के लिए सांत्वना के रूप में क्यों नहीं दिये जा सकते हैं।

फालतू है... महाकुंभ 2025 पर लालू प्रसाद की विवादित टिप्पणी, भाजपा ने घेरा

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद ने रविवार को महाकुंभ को 'अर्थहीनबताकर नया विवाद खड़ा कर दिया। महाकुंभ को लेकर बढ़ती भीड़ के बारे में पूछेजाने पर राजद प्रमुख ने कहा, 'अरे ये सब कुंभ का क्या कोई मतलब है, फालतू है कुंभ।

एजेंसी

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद ने रविवार को महाकुंभ को 'अर्थहीनबताकर नया विवाद खड़ा कर दिया। दरअसल, राजद नेता नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस कुंभ का कोई मतलब नहीं है, यह फालतू है। लालू के इस बयान पर विवाद खड़ा हो गया। बीजेपी ने उन पर निशाना साधा और आरजेडी नेताओं पर हमेशा हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं का अपमान करने का आरोप लगाया। लालू प्रसाद ने नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ से हुई लोगों की मौत के लिए रेलवे को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने इस घटना को लेकर केंद्र की राजग सरकार पर निशाना साधा और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से इस्तीफे की मांग की। लालू ने कहा, 'बहुत दुखद घटना घटी है, हम सब लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। यह रेलवे की गलती है। रेलवे के कुप्रबंधन और लापरवाही की वजह से इतने लोगों की मौत हुई है। इस घटना के बाद केंद्रीय रेल मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए।'

भाजपा ने लालू को घेरा

लालू की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए बिहार भाजपा के प्रवक्ता मनोज शर्मा ने ह्यपीटीआई-भाषासे कहा, 'राजद प्रमुख अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के कारण ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं। राजद नेताओं ने हमेशा हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं का अपमान किया है। राजद प्रमुख का महाकुंभ को अर्थहीनबताने वाला ताजा बयान हिंदू धर्म के प्रति पार्टी की मानसिकता को उजागर करता है। वे (राजद) श्रावण मास में मांसाहारी भोजन करके सनातन धर्म के नियमों की अवहेलना करते हैं।'

गोवर्धन पीठ के शंकराचार्य ने लालू के बयान पर दी प्रतिक्रिया

लालू प्रसाद यादव के बयान पर गोवर्धन पीठ के शंकराचार्य स्वामी श्री अधोक्षजानंद ने कहा, 'मुझे ऐसे राजनेताओं पर दया आती है जो इतने नकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं और अपमानजनक बयान देते हैं।

पुलिस सूत्रों का दावा, रेलवे की घोषणा पर यात्री भ्रमित हुए और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मच गई

पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, यात्री दोनों ट्रेन के बीच इसलिए भ्रमित हो गए क्योंकि दोनों के प्रारंभिक नाम प्रयागराज से घोषणा हुई थी। उन्होंने बताया कि स्टेशन पर घोषणा हुई कि प्रयागराज स्पेशल प्लेटफार्म 16 पर आने वाली है, इसलिए ट्रेन का इंतजार कर रहे लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई।

एजेंसी

नई दिल्ली । नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में कम से कम 18 लोगों की मौत के बाद पुलिस ने अपनी शुरूआती जांच में पाया है कि यात्री प्रयागराज एक्सप्रेस और प्रयागराज स्पेशल के बीच भ्रमित हो गए थे। ट्रेन छूटने के डर से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई, जिसके चलते 18 लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, यात्री दोनों ट्रेन के बीच इसलिए भ्रमित हो गए क्योंकि दोनों के प्रारंभिक नाम प्रयागराज से घोषणा हुई थी। उन्होंने बताया कि स्टेशन पर घोषणा हुई कि प्रयागराज स्पेशल प्लेटफार्म 16 पर आने वाली है, इसलिए ट्रेन का इंतजार कर रहे लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई क्योंकि प्रयागराज एक्सप्रेस पहले ही प्लेटफार्म 14 पर आ चुकी थी ।सूत्रों ने बताया कि प्लेटफार्म 14 पर पहुंचने वाले लोगों को लगा कि उनकी ट्रेन प्लेटफार्म 16 पर आ रही है, इसलिए वे उस ओर दौड़ पड़े जिससे भगदड़ मच गई।

हथकड़ी और बेड़ियों से बांधा गया , अमेरिका से लौटे अवैध भारतीय प्रवासियों ने सुनाई आपबीती

सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें डंकी (अवैध) मार्ग से अमेरिका ले जाया गया था। डंकी मार्ग वह अवैध और जोखिम भरा मार्ग है, जिसका इस्तेमाल प्रवासी अमेरिका में प्रवेश करने के लिए करते हैं। सिंह की पत्नी कमलप्रीत कौर ने आरोप लगाया कि उनके पति को ट्रैवल एजेंट ने धोखा दिया।

एजेंसी

होशियारपुर में मीडिया से कहा, हमारे पैरों में जंजीरें थीं और हाथों में हथकड़ी भी थी।

अमेरिका से निर्वासित किए गए भारतीयों का दूसरा जत्था शनिवार देर रात अमृतसर हवाई अड्डे पर लैंड हुआ। इस जत्थे में 116 अवैध भारतीय प्रवासियों में शामिल थे, जिन्हें अमेरिकी सैन्य विमान ने शनिवार रात अमृतसर हवाई अड्डे पर पहुंचाया। इस जत्थे में शामिल दलजीत सिंह ने रविवार को दावा किया कि यात्रा के दौरान उन्हें हथकड़ियां पहनाई गई थीं और उनके पैरों में जंजीरें डाली गई थीं। सिंह ने होशियारपुर में मीडिया से कहा, हमारे पैरों में जंजीरें थीं और हाथों में हथकड़ी भी थी।सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें डंकी

(अवैध) मार्ग से अमेरिका ले जाया गया था। डंकी मार्ग वह अवैध और जोखिम भरा मार्ग है, जिसका इस्तेमाल प्रवासी अमेरिका में प्रवेश करने के लिए करते हैं। सिंह की पत्नी कमलप्रीत कौर ने आरोप लगाया कि उनके पति को ट्रैवल एजेंट ने धोखा दिया। उन्होंने कहा कि ट्रैवल एजेंट ने सिंह को सीधी उड़ान से अमेरिका ले जाने का वादा किया था, लेकिन इसके बजाय उन्हें अवैध तरीके से ले गया। कमलप्रीत ने बताया कि उनके गांव के एक व्यक्ति ने सिंह की यात्रा के लिए एक ट्रैवल एजेंट की व्यवस्था की थी। उन्होंने कहा कि एजेंट ने उन्हें कानूनी तरीके से अमेरिका ले जाने का आश्वासन दिया था लेकिन बाद में जब उन्हें कई स्थानों पर ले जाया गया, तो उन्हें यात्रा की वैधता पर संदेह पैदा हुआ। अमेरिका से 116 अवैध प्रवासियों को लेकर एक विमान शनिवार देर रात अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विमान रात 10 बजे के अपेक्षित समय के बजाय रात 11 बजकर 35 मिनट पर हवाई अड्डे पर उतरा। यह अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के तहत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन द्वारा पांच फरवरी के बाद निर्वासित किया गया भारतीयों का दूसरा जत्था है। इनमें पंजाब से संबंध रखने वाले लोगों को आव्रजन संबंधी और पृष्ठभूमि की जांच के बाद रविवार तड़के करीब साढ़े चार बजे पुलिस की गाड़ियों में उनके घर पहुंचाया गया।

विभिन्न पर्व

पौष पूर्णिमा	मकर संक्रांत	मौनी आमावश्या	बसंत पंचमी	माघी पूर्णिमा	महा शिवरात्री
13/01/2025	14/01/2025	29/01/2025	03/02/2025	12/02/2025	26/02/2025

संक्षेप

शराब के नशे में बहू ने सास को धक्का दिया,मौत

अमेठी में परिजनों ने किया हंगामा; पुलिस तैनात

अमेठी जिला, गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के पचेहरी वार्ड में एक दर्दनाक घटना सामने आई। बीती रात शराब के नशे में एक बहू द्वारा सास को धक्का देने से बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान बिट्टन (60) के रूप में हुई, जो मायाराम की पत्नी थीं। घटना उस समय हुई जब बिट्टन का बेटा अखिलेश और परिवार के अन्य सदस्य रुदई का पुरवा में एक शादी समारोह में गए हुए थे। घर पर बिट्टन अपनी बहू किरण के साथ थीं। उनके देवर राजाराम की बहू रेशमा, जो नशे की हालत में थी, अनावश्यक रूप से गालियां दे रही थी। जब बिट्टन ने बाहर निकलकर कुत्तों को भगाया, तो रेशमा ने उन्हें गालियां देनी शुरू कर दी। मना करने पर रेशमा ने बिट्टन को सड़क पर धक्का दे दिया और लात मारी, जिससे वे गिर गईं और उनके मुंह से झाग निकलने लगा। बहू किरण की आवाज सुनकर आस-पड़ोस के लोग मदद के लिए आए और बिट्टन को जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही आक्रोशित परिजनों ने रेशमा के घर पर तोड़फोड़ की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। अभी तक किसी भी पक्ष ने थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। तनाव की स्थिति को देखते हुए क्षेत्र में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

शराब के नशे में बहू ने सास को धक्का दिया,मौत

अमेठी में परिजनों ने किया हंगामा; पुलिस तैनात

अमेठी जिला, गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के पचेहरी वार्ड में एक दर्दनाक घटना सामने आई। बीती रात शराब के नशे में एक बहू द्वारा सास को धक्का देने से बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान बिट्टन (60) के रूप में हुई, जो मायाराम की पत्नी थीं। घटना उस समय हुई जब बिट्टन का बेटा अखिलेश और परिवार के अन्य सदस्य रुदई का पुरवा में एक शादी समारोह में गए हुए थे। घर पर बिट्टन अपनी बहू किरण के साथ थीं। उनके देवर राजाराम की बहू रेशमा, जो नशे की हालत में थी, अनावश्यक रूप से गालियां दे रही थी। जब बिट्टन ने बाहर निकलकर कुत्तों को भगाया, तो रेशमा ने उन्हें गालियां देनी शुरू कर दी। मना करने पर रेशमा ने बिट्टन को सड़क पर धक्का दे दिया और लात मारी, जिससे वे गिर गईं और उनके मुंह से झाग निकलने लगा। बहू किरण की आवाज सुनकर आस-पड़ोस के लोग मदद के लिए आए और बिट्टन को जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही आक्रोशित परिजनों ने रेशमा के घर पर तोड़फोड़ की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। अभी तक किसी भी पक्ष ने थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

महाकुंभ में जबरदस्त भीड़, श्रद्धालु दूसरे घाटों पर डायवर्ट

भगदड़ रोकने के लिए पुलिस ने ह्यूमन चेन बनाई; राहुल-प्रियंका 19 फरवरी को संगम स्नान करेंगे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, महाकुंभ में छुट्टी होने के चलते जबरदस्त भीड़ है। चेन बनाकर पुलिसकर्मी भीड़ के आगे चल रहे हैं। इससे भीड़ धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। भगदड़ जैसी स्थिति से बचने के लिए ये तरीका अपनाया जा रहा है। जगह-जगह रस्सी लगाकर श्रद्धालुओं को रोककर दूसरे घाटों की ओर डायवर्ट किया जा रहा है। भीड़ की वजह से 8वीं तक के स्कूलों में 4 दिन की छुट्टी और बढ़ा दी गई है। अब 20 फरवरी तक स्कूल बंद रहेंगे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय रविवार को इटावा में थे। मीडिया ने उनसे पूछा कि राहुल और प्रियंका कब महाकुंभ जाएंगे। अजय राय ने कहा- 19 फरवरी को हम लोग जा रहे हैं। हर-हर महादेव होगा। ऐसे में परिवार के साथ बड़ी संख्या में लोग पहुंचे हैं। शहर में कई जगह जाम लगा है। श्रद्धालुओं के वाहन भी संगम से 10-12 किमी पहले बनाई गई पार्किंग में रोके जा रहे हैं। पार्किंग और स्टेशन से करीब 10 किमी तक पैदल ही संगम तक जाना पड़ रहा है। प्रशासन ने मेला क्षेत्र में वाहनों की एंट्री रोक दी। सभी तरह के पास भी रद्द कर दिए हैं। बावजूद इसके मेले में वीआईपी कल्चर नजर आ रहा है।

लोग गाड़ियों से एंट्री कर रहे हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को दिक्कत हो रही है। सेक्टर- 21 स्थित प्रदीप मिश्रा की कथा में शामिल होंगे। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और धर्मेंद्र प्रधान ने संगम में डुबकी लगाई। 82.52 लाख श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। 13 जनवरी से अब तक 52.29 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। इतिहास में यह सबसे बड़ा आयोजन रिकॉर्ड किया गया। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के साथ महाकुंभ का समापन होगा।

महाकुंभ आए नेपाली श्रद्धालु की डॉक्टरों ने बचाई जान

ब्रेन स्ट्रोक के बाद एसआरएन हॉस्पिटल लाए गए, मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं में हो गया था ब्लाकेज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, महाकुंभ आए नेपाल के एक श्रद्धालु की हालत बिगड़ गई और ब्रेन स्ट्रोक गया। इसके बाद समय रहते उसे स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल लाया गया जहां पर सीनियर न्यूरो फिजिशियन डॉ. कमलेश सोनकर व उनकी टीम ने सक्रियता दिखाई और तत्काल इलाज शुरू कर दिया। उसकी जान बचाई जा सकी। डॉ. कमलेश सोनकर के अनुसार, ब्रेन स्ट्रोक एक मेडिकल इमरजेंसी है, जिसमें मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं में ब्लॉकेज होने से ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित हो जाती है 85 वर्षीय रामधनी, जो स्थायी रूप से लुंबिनी, नेपाल के निवासी हैं और पिछले एक महीने से महाकुंभ के शांति कुटिया (मौनी बाबा आश्रम) में रह रहे थे। 14 फरवरी की रात 9 बजे स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय के ट्रॉमा सेंटर में गंभीर अवस्था में लाया गया। मरीज को दाहिने हिस्से में कमजोरी, बोलने में कठिनाई (अफाजिया) और हल्की बेहोशी जैसी शिकायत थी। साथ ही, उन्हें पहले से हाईपरटेंशन की समस्या थी, और यह सभी लक्षण पिछले दो घंटे से मौजूद थे। डॉ. कमलेश सोनकर बताते हैं कि मरीज की सीटी स्कैन और अन्य आवश्यक जांचें करवाईं, जिससे पता चला कि मरीज को इस्केमिक स्ट्रोक हुआ है। स्ट्रोक का सही समय पर इलाज मिलने पर मरीज की स्थिति में सुधार की संभावना अधिक होती है। इसलिए, डॉ. सोनकर की टीम ने बिना देरी किए थ्रॉम्बोलाइसिस प्रक्रिया शुरू की। जिससे मरीज की रक्त वाहिकाओं में ब्लॉकेज हट गया और रक्त प्रवाह पुनः सुचारू हो गया।

श्रद्धालुओं की कार पलटी

संगम स्नान के बाद अयोध्या जा रहे थे, हादसे में 5 लोग घायल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना क्षेत्र के लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। प्रयागराज में संगम स्नान करने के बाद अयोध्या में श्री राम के दर्शन के लिए जा रहे धनबाद के श्रद्धालुओं की कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में कार चालक डिस्को कुमार महतो के साथ रविकांत अग्रवाल (42), उनकी पत्नी नेहा अग्रवाल (40), 14 वर्षीय पुत्र अक्षत और 13 वर्षीय बेटी वंशिका घायल हो गए। दुर्घटना पूरे महावीरन गांव के पास हुई, जहां चालक को झपकी आने से कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। मौके से गुजर रहे सीओ मुसाफिरखाना अतुल सिंह ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अपने वाहन से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुसाफिरखाना पहुंचाया। सूचना मिलते ही तहसीलदार राहुल सिंह, नायब तहसीलदार प्रशांत सिंह और थानाध्यक्ष तनुज पाल भी मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने क्षतिग्रस्त वाहन को हटाकर यातायात सुचारू करवा दिया है। सभी घायलों का इलाज जारी है।

473 लाख की लागत से हो रहा मंदिर का सौंदर्यीकरण

डीएम ने किया निरीक्षण, 70% काम पूरा; जून तक होगा तैयार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, जिलाधिकारी कुमार हर्ष और मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक ने दूबेपुर ब्लॉक के ग्राम सभा सोमनाभार स्थित नरसिंह भगवान मंदिर के विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पर्यटन विभाग की राज्य योजना के तहत 473.53 लाख रुपये की लागत से मंदिर का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इस परियोजना में भव्य प्रवेश द्वार, शौचालय, यात्री हॉल, यात्री शेड, जूता घर, ग्रेनाइट इंटरलॉकिंग, सोलर लाइटिंग, पत्थर की बेंच, साइनेज और म्यूरल वॉल स्टेज का निर्माण शामिल है। अब तक 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और शेष कार्य जून तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था के अवर अभियंता को यात्री हॉल, शेड और प्रवेश द्वार की फिनिशिंग और फॉल्स सीलिंग के काम में विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही समय पर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने को कहा। इसी दौरान अधिकारियों ने लम्भुआ ब्लॉक के ग्राम पंचायत मुरलीनगर में बन रहे अग्निशमन केंद्र का भी निरीक्षण किया। यहां मुख्य भवन और चारदीवारी का निर्माण पूरा हो चुका है। टाइप-ए के दो और टाइप-बी के 24 आवासीय भवनों का निर्माण भी प्रस्तावित है। भूमि विवाद के कारण कुछ समय रुका यह कार्य अब पुनः शुरू होगा। जिलाधिकारी ने इस परियोजना को भी जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

फाफामऊ। शनिवार को महाकुम्भमेले के संगम क्षेत्र सेक्टर-5 में निःशुल्क दन्त चिकित्सा शिविर का आयोजन मनोज कुमार गौतम, कमाण्डेन्ट-101 आर.ए.एफ. के नेतृत्व में आशा हेल्थ एण्ड वेलफेयर फाउण्डेशन के सौजन्य से किया गया। सर्वप्रथम कमाण्डेन्ट-101 आर.ए.एफ ने निःशुल्क दन्त चिकित्सा शिविर का आयोजन फीटा काट कर किया। आशा दन्त चिकित्सालय शान्तिपुरम के डॉ. अंशुल शुक्ला व उनकी टीम द्वारा चिकित्सा जाँच शुरू किया गया। और निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर 101 आर.ए.एफ के कमाण्डेन्ट महोदय ने मानव सेवा कार्य हेतु महाकुम्भ, संगम क्षेत्र में निःशुल्क चिकित्सा शिविर के सफल आयोजन के लिए डॉ. अंशुल शुक्ला व उनकी टीम का विशेष आभार प्रकट किया। इस अवसर पर डॉ. अशोक कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, जवान, कल्पवासी एवं आम जनमानस उपस्थित रहे।

कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन में तोड़फोड़

दरवाजा न खुलने से नाराज श्रद्धालुओं ने तोड़े 14 शीशे, कर्मचारियों से मारपीट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जायस रेलवे स्टेशन पर कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन को लेकर गंभीर घटना सामने आई। लखनऊ से प्रयागराज जा रही स्पेशल ट्रेन संख्या 04255 में श्रद्धालुओं ने जमकर तोड़फोड़ की। रात करीब सवा एक बजे स्टेशन पर पहुंची ट्रेन का दरवाजा नहीं खुलने से नाराज श्रद्धालुओं ने दो बोगियों की 14 खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए। घटना में श्रद्धालुओं ने विरोध करने वाले रेलवे कर्मचारियों के साथ मारपीट भी की। स्टेशन पर भारी भीड़ थी और ट्रेन में भी बड़ी संख्या में यात्री सवार थे। यात्रियों द्वारा अंदर से बंद किए गए दरवाजे को खोलने के कई प्रयास विफल रहने के बाद प्लेटफॉर्म पर खड़े श्रद्धालु आक्रोशित हो गए। घटना के बाद ट्रेन करीब आधे घंटे तक स्टेशन पर खड़ी रही और फिर प्रयागराज के लिए रवाना हुई। स्टेशन पर रुके अन्य श्रद्धालुओं को अगली ट्रेन से प्रयागराज भेजा गया। स्टेशन मास्टर ने मामले की शिकायत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) से की है। आरपीएफ घटना की जांच कर रही है। मौके पर मौजूद चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रवि ने पुष्टि की कि तोड़फोड़ में कम से कम 8 खिड़कियों के शीशे टूटे।

अभाविप के नगर खेल कुंभ में 190 खिलाड़ियों का सम्मान

23 खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मिले पदक और प्रमाणपत्र, 4 प्रशिक्षकों का भी सम्मान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर,अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) कुशभवनपुर द्वारा आयोजित नगर खेल कुंभ का पुरस्कार वितरण समारोह सरस्वती शिशु मंदिर सिरवारा मार्ग के खेल मैदान पर संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 190 प्रतिभागी खिलाड़ियों को पदक, प्रमाणपत्र और शील्ड से सम्मानित किया गया, साथ ही जनपद के चार खेल प्रशिक्षकों को अंगवस्त्र देकर विशेष सम्मान दिया गया। पेंचक सिलाट/कराटे में कोमल, काजोल, विभा, दिव्यानी मिश्रा, सुहानी सिंह, अयान खान, अमर यादव और आदर्श तिवारी ने स्वर्ण पदक जीता। अली खान, प्रांजलि सिंह, अपेक्षा सिंह और अदिति श्रीवास्तव ने रजत पदक प्राप्त किया, जबकि अंश उपाध्याय, संदली मिश्रा, अनस खान, अवधेश निषाद, प्रदीप निषाद और मोनू ने कांस्य पदक हासिल किया। इसके अलावा बॉक्सिंग, स्लो साइक्लिंग, गोला फेंक, कबड्डी, रस्साकसी, दौड़, वॉलीबॉल और बैडमिंटन जैसे खेलों में भी विजेताओं को पदक प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि नगर पालिका के अधिशाषी अभियंता लाल चंद सरोज ने युवाओं को शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेलों में भाग लेने का आह्वान किया। अभाविप के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य शुभेंद्रवीर सिंह ने बताया कि संगठन नगर खेल कुंभ के माध्यम से देशभर में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच प्रदान कर रहा है। प्रांत उपाध्यक्ष डॉ. संतोष अंश ने खेलों से सामाजिक समरसता बढ़ने की बात कही।

कार्यक्रम में विद्यालय प्रधानाचार्य सतीश कुमार सिंह, प्रान्त सह खेल संयोजक रितिक द्विवेदी, राष्ट्रीय कला मंच सह संयोजक प्रीति शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला सह संयोजक विपुल मिश्र ने किया, जबकि आभार ज्ञापन नगर उपाध्यक्ष डॉ. पंकज सिंह ने किया।

मोबाइल चोरी के शक में पेड़ से बांधकर पीटा

हसनपुर में युवक को पंखे से लटकाकर प्रताड़ित किया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

हसनपुर, सैदनगली थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां मोबाइल चोरी के संदेह में एक नाबालिग को बर्बर तरीके से प्रताड़ित किया गया। ग्राम भदौरा में हुई इस घटना का वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि एक परिवार के सदस्य पहले नाबालिग को पेड़ से बांधकर मारपीट करते हैं। इतना ही नहीं, बाद में उसे कमरे में ले जाकर पंखे से लटकाकर भी प्रताड़ित किया गया। यह पूरी घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है। मामला संज्ञान में आने के बाद स्थानीय पुलिस हरकत में आ गई है। थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा ने इस घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वीडियो की गहन जांच की जा रही है

व्यापारियों का प्रशासन को अल्टीमेटम

अमेठी में सर्विस लेन न बनने पर एक सप्ताह में अनिश्चितकालीन धरना देंगे व्यापारी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, व्यापारियों ने प्रशासन को कड़ा संदेश देते हुए चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर ओवरब्रिज का सर्विस लेन निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो वे अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करेंगे। यह निर्णय गौरीगंज रोड स्थित व्यापार मंडल कार्यालय में आयोजित मासिक बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष महेश सोनी ने की। व्यापारियों ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया, जिनमें ककवा रोड पर बने ओवरब्रिज का सर्विस लेन निर्माण प्रमुख है।

श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में टकराव

हाईवे पर ओवरटेक को लेकर हुआ विवाद, महिला समेत तीन श्रद्धालु घायल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर श्रद्धालुओं और ग्रामीणों के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। कूरेभार के मुजेश के पास मुरादाबाद से आए श्रद्धालुओं के एक समूह ने ओवरटेक कर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया। जब पुलिस ने उन्हें व्यवस्था बनाए रखने को कहा, तो श्रद्धालुओं ने विधानसभा अध्यक्ष का नाम लेकर दबाव बनाने का प्रयास किया। एक महिला श्रद्धालु ने बताया कि वे मुरादाबाद के पास अमरोहा से प्रयागराज कुंभ में स्नान करके अयोध्या दर्शन के लिए जा रहे थे। उनके ट्रैवलर में 25 लोग थे, जिसमें छोटे बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल थे। उन्होंने अपना वाहन लाइन में लगाया था, लेकिन पुलिस ने अचानक वाहन पर लाठीचार्ज शुरू कर दिया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा एफ.एल.टी.-एल.जी.-75, आर.एम. 4/4, इंदिरा नगर, सुंदर बाग, आर.डी. कुर्ला (प.) मुम्बई, 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं एस.आर. पब्लीकेशन, मोहन अर्जून कम्पाउंड गोदाम नं. 8,9,10 नीयर घाटन पाड़ा, वैशाली नगर, लास्ट बस स्टाप, दहिसर (पूर्व), मुम्बई 400068 महाराष्ट्र से मुद्रित।। सम्पादक- खुशीराम शर्मा ।।

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 02248253669,8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173 संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001 भारत संवाद सिटी ऑफिस- फ्लैट नंबर 24, सेकंड फ्लोर, कांटेक्टर बिल्डिंग, ब्लार्ड स्टेट, वजू कोटक मार्ग, शहीद भगत सिंह रोड, फोर्ट, मुंबई 400001 महाराष्ट्र।